हरिभूमि
रायपुर भूमि

इस्तीफे का जश्न...मीम आधारित बैनर-पोस्टर लेकर पहुंची जेन-जी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कॉकरोच जनता पार्टी के विरोध-प्रदर्शन पश्चात हुए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे का जश्न मनाने सैकड़ों की संख्या में युवा रविवार को आंबेडकर चौक में जुटे। यहां वे अपने हाथों में बैनर-पोस्टर लिए नजर आए। इस्तीफे को लेकर खुशी व्यक्त करने के साथ ही युवा शिक्षा व्यवस्था में सुधार की अन्य मांग भी कर रहे थे। एनएसयूआई और भीम आर्मी भी इस प्रदर्शन को समर्थन देने पहुंची। युवाओं की संख्या को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। हालांकि प्रदर्शन पूरी तरह से शांतिपूर्ण रहा और किसी तरह के विवाद या बल प्रयोग की स्थिति निर्मित नहीं हुई। प्रदर्शन में मीम आधारित पोस्टर की भरमार रही। छात्र केंद्रीय मंत्री से लेकर प्रदेश के मंत्री-नेताओं के विरोध में भी बैनर-पोस्टर लेकर पहुंचे थे। कई पोस्टरों में मंत्रियों के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का भी प्रयोग किया गया था।

- एनएसयूआई और भीम आर्मी ने दिया प्रदर्शन को समर्थन

प्रभावी कानून बनाने की मांग

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि यह आंदोलन किसी व्यक्ति विशेष के विरुद्ध नहीं, बल्कि छात्रों के भविष्य, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली, पारदर्शिता और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था के पक्ष में है। उन्होंने राज्य सरकार से छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए शीघ्र ठोस निर्णय लेने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान छत्तीसगढ़ में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त एवं प्रभावी कानून बनाने की मांग छात्रों ने की।

प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर भी सवाल

प्रदर्शन में उपस्थित युवाओं का कहना था कि धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भी छत्तीसगढ़ में शिक्षा व्यवस्था से जुड़े गंभीर प्रश्न बने हुए हैं। वहीं एनएसयूआई ने कहा, हाल ही में सामने आए 12वीं बोर्ड परीक्षा पेपर लीक प्रकरण और शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के बयानों ने छात्रों के बीच असंतोष और अविश्वास को और बढ़ाया है। प्रदेश में लगातार सामने आ रही परीक्षा संबंधी अनियमितताओं ने लाखों छात्रों के भविष्य को प्रभावित किया है।

खबर संक्षेप

बदमाश ने मारपीट कर 84 हजार रुपए लूटे

रायपुर। जेब से गिरी चांदी की पायल ढूंढने निकले एक व्यक्ति के साथ मारपीट कर एक युवक ने 84 हजार रुपए लूट लिए। घटना गुढ़ियारी थाना क्षेत्र की है। अशोक नगर निवासी लाखन यादव ने विक्की धृतलहरे के खिलाफ लूट की शिकायत दर्ज कराई है। उसने पुलिस को बताया कि वह चांदी की पायल अपनी जेब में लेकर बाइक से जा रहा था। ब्रेकर आने पर तेलघानी नाका के पास बाइक उछली और जेब में रखी पायल गिर गई। लाखन बाइक खड़ी कर पायल ढूंढने लगा। इस दौरान मौके पर विक्की पहुंचा और पायल ढूंढने में मदद करने की बात कही। इस दौरान उसकी नजर लाखन के जेब में रखे रुपयों पर पड़ी। तब बदमाश ने उसके साथ मारपीट कर धमकाते हुए जेब में रखे रुपए लूट लिए और मौके से भाग गया।

ई-रिक्शा में रखे नकद पौने दो लाख पार

रायपुर। ई-रिक्शा में फेरी लगाकर दाल बेचने वाले कारोबारी के ई-रिक्शा के डैशबोर्ड से अज्ञात चोर पौने दो लाख रुपए से भरा बैग चोरी कर ले गया। ब्रजेश साव ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि वह गुढ़ियारी पड़ाव में एक थोक अनाज दुकान में दाल खरीदने गया था। कारोबारी अपने ई-रिक्शा में दाल लोड करवा रहा था। इस दौरान कोई अज्ञात चोर डैशबोर्ड पर रखा नोटों से भरा बैग चोरी कर ले गया।

तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को ठोका, कई घायल

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र के भनपुरी चौक के पास तेज रफ्तार रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑटो सड़क किनारे बनी नाली में जा गिरा। वहीं कार भी अनियंत्रित होकर बिजली के खंबे से टकरा गई। हादसे में दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में ई-रिक्शा चालक, कार चालक और ई-रिक्शा में सवार अन्य लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना रविवार दोपहर 2.30 बजे की है। देर शाम तक किसी ने इस मामले में थाने में शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

महिला का पर्स लेकर भागा ऑटो चालक

रायपुर। ऑटो चालक को किराया भाड़ा देने के बाद महिला का पर्स गिर गया। तब ऑटो चालक महिला को उनका पर्स गिरने की जानकारी देने के बजाय पर्स लेकर भाग गया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात ऑटो चालक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। जंत्री बाई जोशी ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि वह अपने बेटे के साथ ऑटो से इंटरस्टेट बस टर्मिनल पहुंची। वहां जब ऑटो चालक को किराया भाड़ा देने के बाद वह पर्स वापस अपने कमर के पास रख रही थी। उस दौरान पर्स नीचे गिर गया, जिसे महिला नहीं देख पाई। इस बात का फायदा उठाते हुए ऑटो चालक पर्स लेकर फरार हो गया। पर्स में नकदी पांच हजार रुपए सहित 50 हजार रुपए के सोने का जेवर थे।

मेडिसिन विभाग में आने वाले 40 फीसदी मरीज मौसमी समस्या से पीड़ित

मौसम का वायरल अटैक, बुखार, कमजोरी और दर्द, दो बड़े अस्पतालों में रोजाना 200 मरीज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

बदलते मौसम के कारण राजधानी समेत आसपास के इलाकों में वायरल अटैक की शिकायत बढ़ गई है। सप्ताहभर से आंबेडकर और जिला अस्पताल के साथ निजी क्लीनिकों में बुखार, बदन दर्द, कमजोरी की समस्या वाले मरीजों की संख्या काफी बढ़ गई है। राजधानी के दो बड़े सरकारी अस्पतालों के मेडिसिन विभाग में आने वाले 40 फीसदी मरीज मौसमी समस्या से पीड़ित हैं। बारिश के मौसम में सक्रिय होने वाले बैक्टीरिया के स्वरूप में अभी बदलाव नहीं दिख रहा है इसलिए मरीज तीन से पांच दिन की दवा के खुराक से ठीक हो रहे हैं। आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए तो दोनों अस्पतालों में रोजाना तकरीबन 500 मरीज पहुंचते हैं, जिनमें 200 से ज्यादा मौसमी समस्या से पीड़ित होते हैं। चिकित्सकों के मुताबिक, ▶▶|शेष पेज 13 पर

बारिश में डेंगू जैसा खतरा भी

पानी बरसने के बाद घरों में मच्छरों की शिकायतें भी बढ़ने लगी हैं। विशेषज्ञों की मानें तो बरसात के सीजन में अगस्त से सितंबर के बीच जल जमाव वाले इलाके में डेंगू के मच्छरों के पनपने की आशंका अधिक होती है। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग सप्ताह में एक दिन जागरूकता अभियान चलाता है। पिछले दो साल से डेंगू के मामले में कमी आई है, इसके पूर्व रायपुर में थोक में इसके मरीज मिले थे। इस दौरान डेंगू के बढ़ते मामले और आयुष्मान से इलाज पर भी निजी अस्पतालों पर सवाल उठे थे।

> बारिश के मौसम में इम्युनिटी कमजोर, थोड़ी लापरवाही भी करती है बीमार

> आंबेडकर और जिला अस्पताल के मेडिसिन विभाग में 40 फीसदी तक बढ़े मरीज

सावधानी बरतने की जरूरत

बारिश के मौसम में थोड़ी-सी चूक बीमारी का कारण बन सकती है। बचाव के लिए खानपान के साथ पेयजल की स्वच्छता का ध्यान रखना आवश्यक है। बीमार होने पर बिना देर किए अस्पतालों में जाकर दवा लेनी चाहिए। मौसमी बीमारियों के इलाज के लिए सरकारी अस्पतालों में दवाओं की निशुल्क व्यवस्था है।

- डॉ. मिथिलेश चौधरी, सीएमएचओ

पेट संबंधी समस्याओं में भी इजाफा

बारिश के मौसम में पेयजल के दूषित होने और इसके असर पेट संबंधित बढ़ने के मामले सामने आते हैं। पिछले दिनों राज्य में हुई बारिश के दौरान विभिन्न जलस्रोतों में बारिश का पानी मिल गया, जो लोगों के पेट से संबंधित तकलीफों का कारण बनने लगा है। अस्पतालों में पेट दर्द सहित अन्य तरह की समस्या लेकर भी काफी संख्या में मरीज पहुंच रहे हैं। डाक्टरों का तर्क है कि इस तरह की समस्या से बचने के लिए इस मौसम में पानी उबालकर पीने और गर्म भोजन करना चाहिए।

बनने लगा मानसूनी मौसम, छाए बादल कई इलाकों में जमकर बरसे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश में एक बार मानसूनी मौसम बनने लगा है। बंगाल की खाड़ी में बना सिस्टम गहरे अवदाब के रूप में सोमवार को ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तट को पार करेगा। इसके प्रभाव से मध्य इलाके में भारी बारिश होने की संभावना प्रबल हो रही है। पिछले चौबीस घंटे में राज्य के कुछ इलाकों में अतिभारी वर्षा हुई है। रविवार को राजधानी समेत आसपास के इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई।

जिस पश्चिमी विक्षोभ को ब्रेक माना जा रहा था वह राज्य में एक बार फिर मानसून को सक्रिय करने का कारण बन गया। इसके असर सिस्टम बंगाल का खाड़ी में ठहरकर अपना रूप बदलने वाला है। गहरे अवदाब के रूप में वह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ेगा और छत्तीसगढ़ के मध्य समेत आसपास के इलाकों में भारी बारिश का कारण बनेगा। बंगाल की खाड़ी में मौजूद चक्रवाती घेरा ने पिछले चौबीस घंटे में राज्य के कई इलाकों में अपना असर दिखाया है। अनेक इलाकों में रविवार को दिनभर बादल छाए रहे और राजधानी में इसका प्रभाव हल्के से मध्यम रूप में हुआ।

- ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट को पार करेगा गहरा अवदाब का सिस्टम

फेंसिंग दिसंबर तक, फिर 130 किमी की रफ्तार से दौड़ेंगी ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ट्रेनों की रफ्तार बढ़ाने और रेल हादसों पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए रेलवे ने रायपुर रेलमंडल में बड़े पैमाने पर सेफ्टी फेंसिंग का कार्य शुरू किया है। इसके तहत रेल पटरियों के दोनों किनारों पर डब्ल्यू-बीम फेंसिंग लगाई जा रही है, ताकि मवेशियों और लोगों की रेलवे ट्रैक तक पहुंच रोकी जा सके। रेलवे का मानना है कि इससे ट्रेनों का संचालन अधिक सुरक्षित और निर्बाध होगा। उच्च गति वाले रेलमार्गों पर ट्रैक की सुरक्षा बढ़ाने के लिए भारतीय रेलवे देशभर में भी इसी तरह की फेंसिंग को प्राथमिकता दे रहा है।

रायपुर रेलमंडल में 145 करोड़ रुपए की लागत से 272 किलोमीटर रेललाइन पर फेंसिंग कराई जा रही है। अब तक बिलासपुर-दुर्ग सेक्शन में करीब 150 किलोमीटर हिस्से में कार्य पूरा हो चुका है। रेलवे ने शेष कार्य दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा है। यह परियोजना बिलासपुर-नागपुर रेलमार्ग पर ट्रेनों की गति 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक बढ़ाने की तैयारी का हिस्सा है।

- रायपुर मंडल में 272 किमी रेललाइन के किनारे लग रही डब्ल्यू-बीम फेंसिंग

भाटापारा-दुर्ग सेक्शन में समस्या अधिक

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, तेज रफ्तार ट्रेनों के संचालन में ट्रैक पर मवेशियों और अनधिकृत आवाजाही सबसे बड़ा खतरा होती है। भाटापारा-दुर्ग सेक्शन लंबे समय से इस समस्या से प्रभावित रहा है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर मंडल में हर वर्ष ट्रेन की चपेट में आने से करीब 100 लोगों और 250 मवेशियों की मौत होती है। अधिकारियों का कहना है कि फेंसिंग पूरी होने के बाद रेल ट्रैक नियंत्रित क्षेत्र में बदल जाएगा, जिससे दुर्घटनाओं में कमी आएगी और तेज गति से ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा। रेलवे का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद ट्रेनों का संचालन अधिक सुचारू होगा। ट्रैक पर मवेशियों और लोगों की आवाजाही नियंत्रित होने से हादसों में कमी आएगी और रेल परिचालन पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित एवं निर्बाध हो सकेगा।

लोकल, एक्सप्रेस की बढ़ेगी रफ्तार

फेंसिंग पूरी होने के बाद ट्रैक अधिक सुरक्षित होगा और ट्रेनों का संचालन निर्बाध हो सकेगा। रेलवे के अनुसार यह परियोजना बिलासपुर-नागपुर रेलमार्ग पर ट्रेनों की गति 130 किलोमीटर प्रतिघंटे तक बढ़ाने की तैयारी का भी हिस्सा है। लोकल, एक्सप्रेस ट्रेनों की रफ्तार बढ़ेगी। मंडल में 145 करोड़ रुपए की लागत से 272 किलोमीटर रेललाइन पर डब्ल्यू-बीम फेंसिंग लगाई जा रही है। अब तक करीब 150 किलोमीटर हिस्से में कार्य पूरा हो चुका है। रेलवे ने पूरी परियोजना दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा है।

अनाधिकृत बैनर-पोस्टर और विज्ञापनों पर होगी कार्रवाई, 50 हजार तक जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में नगर निगम प्रशासन जुट गया है। राजधानी में बिना अनुमति लगाए गए अनाधिकृत विज्ञापन, होर्डिंग्स और फ्लैक्स, पोस्टर-बैनर पर आउटडोर एडवरटाइजमेंट पॉलिसी-2024 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए नगर निगम जल्द ही ई-चालान प्रणाली लागू करने जा रहा है, जिससे मौके पर जुर्माना लगाया जा सकेगा। नियमों का उल्लंघन करने पर 50 हजार रुपए तक ई-जुर्माना लगाया जा सकता है।

नगर निगम ने सभी राजनीतिक दलों, व्यापारिक ▶▶|शेष पेज 13 पर

- नियम उल्लंघन पर लगेगा ई-चालान, मौके पर ही जुर्माना अधिरोपित होगा
- शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने जुटा नगर निगम

पोस्टर और फ्लॉयर के लिए जोनवार चिन्हांकित स्थान

सार्वजनिक संपत्तियों, बिजली के खंबे, पुल और सरकारी भवनों पर पोस्टर चिपकाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। पोस्टर और फ्लॉयर्स केवल नगर निगम द्वारा तय किए गए स्थानों पर ही लगाए जा सकते हैं। इसके लिए जोनवार जगह चिन्हांकित की गई है।
जोन 1- दम्मानी पेट्रोल पंप के बाजू में बस स्टॉप के पास, सोनडोंगरी नाला, गुढ़ियारी पड़ाव, खमतराई क्षेत्र में पैराडाइज हॉटल के पास।
जोन 2 - एक्सप्रेस वे सर्विस रोड।
जोन 3 - शंकर नगर स्थित जोन 3 कार्यालय, एक्सप्रेस वे सर्विस रोड
जोन 4 - पुराना धरनास्थल बूढ़ापारा
जोन 5 - गोल चौक डीडी नगर, रिंग रोड यशिका ▶▶|शेष पेज 13 पर

दो साल से पेंशन का इंतजार, आज से धरने पर बैठेंगे सेवानिवृत्त प्रोफेसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों और कर्मचारियों ने लंबित पेंशन प्रकरणों के विरोध में 27 जुलाई से विश्वविद्यालय परिसर में क्रमिक शांतिपूर्ण धरना शुरू करने की घोषणा की है। सेवानिवृत्त शिक्षक संघ का आरोप है कि अप्रैल 2024 से सेवानिवृत्त हुए करीब 38 से 40 प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों के पेंशन प्रकरण अब तक लंबित हैं। इसके कारण न तो ▶▶|शेष पेज 13 पर

- आईजीकेवी के सेवानिवृत्त शिक्षकों और वैज्ञानिकों ने किया आंदोलन का ऐलान

परिसर में क्रमिक शांतिपूर्ण धरना

संघ के अनुसार, संबंधित सेवानिवृत्त प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों के खिलाफ कोई विभागीय कार्रवाई, सतर्कता (विजिलेंस) प्रकरण या सेवा संबंधी विसंगति लंबित नहीं हैं। इसके बावजूद पेंशन प्रकरणों का निराकरण नहीं किया जा रहा है। संघ की बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 27 जुलाई से इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय परिसर में क्रमिक शांतिपूर्ण धरना एवं प्रदर्शन शुरू किया जाएगा। संघ ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन सभी पात्र सेवानिवृत्त प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों के पेंशन प्रकरणों का निराकरण, पीपीओ जारी होने तथा लंबित महंगाई राहत एवं अन्य देयों के भुगतान तक जारी रहेगा।

195 कैडर, पदस्थ हैं 153, चार की सेवानिवृत्ति के साथ होगा फेरबदल

आईएफएस का टोटा, 15 प्रतिनियुक्ति पर, चार इस माह होंगे रिटायर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

वन विभाग पिछले लंबे अरसे से अफसरों की कमी से जूझ रहा है। इस बीच इस माह चार आईएफएस अफसर सेवानिवृत्त हो जाएंगे। ऐसे में वन विभाग में सीनियर आईएफएस अफसरों का टोटा हो जाएगा। सेवानिवृत्त होने वाले अफसरों में प्रेम कुमार, अनिल कुमार साहू, आलोक तिवारी एवं राजेश चंदेले शामिल हैं। प्रेम कुमार वन विकास निगम और अनिल कुमार साहू लघु वनोपज संघ के एमडी हैं। बहरहाल अगले महीने वन मुख्यालय भी बदला-बदला नजर आएगा। कुछ अफसर इधर से उधर हो सकते हैं। रायपुर रेंज से भी अफसरों को स्थानांतरित करने की खबर है।

वन विभाग में आईएएफएस अफसरों के स्वीकृत पद 195 हैं। जितने स्वीकृत पद हैं, उस लिहाज से महज 153 आईएफएस अधिकारी वर्तमान में हैं। जितने अधिकारी हैं, उनमें से 10 प्रतिशत अधिकारी अन्य विभागों में प्रतिनियुक्ति पर हैं। तेंदूपत्ता संघ और वन विकास निगम भले ही वन विभाग से अलग और स्वतंत्र विंग है, लेकिन दोनों जगह एमडी के पद पीसीसीएफ रैंक के हैं। दोनों संस्थाओं में एमडी (प्रबंध निदेशक) के पद खाली हो जाएंगे। नियमानुसार इन पदों पर पीसीसीएफ स्तर के अधिकारियों की नियुक्ति होती है, लेकिन विभाग में 30 वर्ष की अनिवार्य सेवा अवधि पूरी करने वाले पात्र अधिकारियों की कमी की स्थिति बन रही है।

प्रतिनियुक्ति पर 15 आईएफएस अधिकारी

राज्य के साथ केंद्र के अलग-अलग विभागों में जिन 15 भारतीय वन सेवा के अफसरों को प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया है, उनमें अमरनाथ प्रसाद, प्रणीता पॉल, राजेश कल्लाजे, सोमा दास, विवेक आचार्य, राजू आगासिमानी, विश्वेश कुमार, जे. श्रीराम, सतोविशा समाजदार, विजया रात्रे, प्रियंका पाण्डेय, प्रणय मिश्रा, नायर विष्णु राज के नाम शामिल है।

30 साल सेवा के एक ही अफसर

पीसीसीएफ पद के लिए 30 साल सेवा का मापदंड है। वर्तमान में ओपी यादव के बाद एक भी आईएफएस ऐसे नहीं हैं, जिनकी सेवा के 30 साल पूरे हो चुके हैं। ऐसे में सरकार को इन दोनों पदों पर प्रभारी व्यवस्था का सहारा लेना पड़ेगा, यानी 30 साल से कम सेवा वाले अफसरों को प्रभारी एमडी बनाना पड़ेगा। संजीता गुप्ता सबसे वरिष्ठ अधिकारियों में शामिल हैं। उनके बाद अमरनाथ प्रसाद, प्रणीता पॉल और राजेश पॉल का नाम आता है। अमरनाथ प्रसाद वर्तमान में शासन में सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि प्रणीता पॉल और राजेश पॉल दूसरे राज्यों में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं।

सीएम साय बोले- 'मन की बात' में बार-बार छत्तीसगढ़ का जिक्र गौरव की बात

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर के फाफाडीह स्थित दया भवन में युवाओं, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात का प्रसारण सुना। सीएम ने कहा, 'मन की बात' में बार-बार छत्तीसगढ़ का उल्लेख गौरव की बात है।

■ मुख्यमंत्री ने फाफाडीह में युवाओं और आमजनों के साथ सुनी पीएम मोदी के मन की बात

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देशवासियों के साथ संवाद का एक ऐसा सशक्त मंच बन गया है, जो समाज के बीच हो रहे सकारात्मक और प्रेरणादायी कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। देशभर के लोगों को प्रत्येक माह इस कार्यक्रम की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों, संस्थाओं, नवाचारों और जन-अभियानों को सामने लाते हैं, जो बिना किसी प्रसिद्धि या व्यक्तिगत अपेक्षा के समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा पिछले कुछ महीनों में 'मन की बात' कार्यक्रम में लगातार छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत और

नवाचारों का उल्लेख किया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले मल्हार की समृद्ध पुरातात्विक विरासत, बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे अभिनव आयोजनों का उल्लेख कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक शक्ति, जनजातीय परंपराओं और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया था।

कोरबा के जल संरक्षण को सराहा

सीएम श्री साय ने कहा, आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा कोरबा में जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का उल्लेख किया गया। यह छत्तीसगढ़ के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत देशभर में वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जलस्त्रोतों के पुनर्जीवन और वृक्षारोपण के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा में जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों को उत्साहजनक बताते हुए उनकी सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, कोरबा में वैज्ञानिक पद्धति से जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के लिए भू-स्थानिक मैपिंग, शैलो एक्विफर मैनेजमेंट, रिचार्ज वेल तथा अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन प्रयासों का उद्देश्य वर्षा जल को अधिकतम मात्रा में संरक्षित करना, भूजल स्तर में सुधार लाना और क्षेत्र में जल उपलब्धता को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करना है।

तिरंगा अभियान उत्साह के साथ

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आगामी स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 'हर घर तिरंगा' अभियान को पूरे उत्साह और गौरव के साथ आगे बढ़ाने का आव्हान किया है। इस अवसर पर विधायक पुरंदर मिश्रा, छत्तीसगढ़ राज्य युवा आयोग के अध्यक्ष विश्व विजय सिंह तोमर, राज्य गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजीव लोचन महाराज सहित बड़ी संख्या में युवा, जनप्रतिनिधि, आम नागरिक और गणमान्यजन उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

पूर्व सीएम बघेल और पूर्व मंत्री डहरिया को दिया आमंत्रण

रायपुर। छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद स्व. मिनीमाता की पुण्यतिथि पर राजधानी रायपुर में 11 अगस्त को राज्य स्तरीय मिनीमाता स्मृति दिवस एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाता है, जिसमें समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं और उत्कृष्ट कार्य करने वालों को सम्मानित किया जाता है। यह कार्यक्रम गुरु घासीदास साहित्य एवं संस्कृति अकादमी द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन हॉल में 11 अगस्त को होगा। अकादमी के पदाधिकारियों ने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया के निवास कार्यालय पहुंचकर मुलाकात की और कार्यक्रम में बतौर अतिथि शामिल होने का आमंत्रण दिया, जिस पर उन्होंने अपनी सहमति व धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम में शामिल होने की स्वीकृति प्रदान की।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ ने सुनी पीएम मोदी के 'मन की बात'

रायपुर। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के तत्वावधान में रविवार को रायपुर भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में प्रसारित प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। कार्यक्रम में व्यापार प्रकोष्ठ के सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं एवं व्यापारी बंधुओं ने एक साथ बैठकर प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी विचारों को सुना। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से केदार गुप्ता, व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सुभाष अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, नितेश दुबे, मन की बात के सहप्रभारी गौरव मंधानी, सुमीत शर्मा, आकाश बालानी प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

शिक्षा मंत्री प्रधान का इस्तीफा इस संघर्ष की नैतिक विजय

रायपुर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा सोनम वांगचुक के ऐतिहासिक अनशन और न्याय के लिए संघर्षरत छात्रों के आंदोलन की नैतिक विजय है। भगवानू नायक ने कहा कि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी छत्तीसगढ़ के एकमात्र ऐसे राजनीतिक नेता हैं, जिन्होंने आंदोलन के शुरुआती दिनों से ही बिना किसी हिचकिचाहट और बिना किसी राजनीतिक लाभ-हानि की गणना किए सोनम वांगचुक के अनशन तथा सीजेपी के आंदोलन को अपना निःशर्त समर्थन दिया।

खारंग, मनियारी के अलावा कई छोटे बांध लबालब, कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश

पिछले साल से इस बार बांधों में ज्यादा पानी आधे से ज्यादा जलभराव, सात के गेट खुले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के प्रमुख और मध्यम जलाशयों में इस मानसून सीजन में पानी का भंडारण पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर स्थिति में है। जल संसाधन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 12 प्रमुख जलाशयों में कुल 3840.347 मिलियन घनमीटर पानी उपलब्ध है, जो उनकी कुल लाइव क्षमता का 71.71 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी अवधि में प्रमुख जलाशयों में लाइव क्षमता का 45.76 प्रतिशत पानी था। 7 जलाशयों-बांधों में पानी स्पिलवे, स्लुइस और नहर के जरिए पानी छोड़ा गया है। इनमें मिनीमाता बांगो, कोसारटेड, श्याम सरगुजा, परलकोट, झुमका, खामरपाकुट, केदार नाला में नहरों के जरिए पानी छोड़ा जा रहा है। इसके अलावा स्पिलवे से सूखा नाला बैराज से पानी छोड़ा जा रहा है।

राज्य के 34 मध्यम जलाशयों में 563.064 मिलियन घनमीटर पानी संग्रहित है, जो कुल लाइव क्षमता का 56.05 प्रतिशत है। पिछले वर्ष की तुलना में यह भी अधिक है, जब मध्यम जलाशयों में 49.12 प्रतिशत पानी उपलब्ध था। रिपोर्ट के अनुसार, प्रमुख और मध्यम जलाशयों को मिलाकर कुल 46 महत्वपूर्ण जलाशयों में 4403.41 मिलियन घनमीटर पानी संग्रहित है, जो कुल लाइव क्षमता का 69.23 प्रतिशत है। पिछले वर्ष इसी तारीख को इन जलाशयों में 57.32 प्रतिशत पानी था, जबकि वर्ष 2024 में यह आंकड़ा 46.29 प्रतिशत था।

12 प्रतिशत अधिक पानी

इस तरह देखा जाए तो अब तक राज्य के महत्वपूर्ण जलाशयों में पानी का भंडारण पिछले साल की तुलना में करीब 11.91 प्रतिशत अधिक है। अच्छी बारिश के चलते जलाशयों की स्थिति में सुधार हुआ है, हालांकि कुछ जलाशयों में पानी का स्तर अभी भी अपेक्षाकृत कम है। कुछ क्षेत्रों में पिछले तीन दिनों से बारिश की गतिविधियां कमजोर होने की वजह से बांधों में पानी की आवक कम हो गई है।आने वाले दिनों में इसके बढ़ने पर जलभराव में परिवर्तन आया है।

बड़े बांधों में खारंग और मनियारी, मध्यम में घोंघा, झुमका और खपरी लबालब

प्रमुख जलाशयों में मिनीमाता बांगो जलाशय, कोरबा में सबसे अधिक 78.54 प्रतिशत, दुधावा में 74.07 प्रतिशत, खारंग और मनियारी में 100 प्रतिशत, सिकासार में 76.44 प्रतिशत, तांदुला 46.41 प्रतिशत, सोंढूर में 68.22 प्रतिशत, कोडार में 64.67 प्रतिशत और मुरुमसिल्ली, धमतरी में 50.49 प्रतिशत पानी दर्ज किया गया है। रविशंकर सागर में 48.48 प्रतिशत, केलो में 54.93 प्रतिशत और अरपा-भैंसाझार बैराज में 17.84 प्रतिशत पानी उपलब्ध है। मध्यम जलाशयों में श्याम जलाशय 84.69, छीरपानी 80.14, सुतियापाट 80.70, पिपरिया नाला 72.26, घोंघा 100, झुमका 83.70 और खपरी में 100 प्रतिशत पानी है। परलकोट जलाशय में सबसे कम जलभराव दर्ज किया गया है। यहां 1.29 प्रतिशत लाइव क्षमता में पानी है। वहीं केशवा जलाशय, महासमुंद में 32.47 प्रतिशत पानी दर्ज किया गया है।

किसानों-मजदूरों, गरीबों और युवाओं के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी कांग्रेस

■ मोदी सरकार के खिलाफ आंदोलन के बाद कांग्रेस और एनएसयूआई पर लगातार एफआईआर : बैज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे को लेकर कहा, नैतिकता नहीं, बल्कि बढ़ते जनाक्रोश के दबाव में लिया गया फैसला है।

उन्होंने कहा, छात्रों पर हुई कथित कार्रवाई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मोदी सरकार युवाओं का विश्वास खो चुकी है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए यह कदम उठाया है। कांग्रेस किसानों, मजदूरों, गरीबों और युवाओं के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी। राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के खिलाफ हुए आंदोलनों के बाद कांग्रेस और एनएसयूआई कार्यकर्ताओं पर लगातार एफआईआर दर्ज की जा रही है। पुतला दहन, प्रदर्शन और सोशल मीडिया पोस्ट साझा करने पर भी कार्रवाई की जा रही है। यह लोकतांत्रिक आवाज को दबाने की कोशिश है, जिसका कांग्रेस विरोध करती है।

महिला आयोग की भूमिका पर उठाए सवाल

राज्य महिला आयोग को निशाने पर लेते हुए दीपक बैज ने कहा, आयोग को भाजपा कार्यकर्ता की तरह नहीं, बल्कि संवैधानिक संस्था की तरह काम करना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि छात्रों और महिलाओं के साथ कथित दुर्व्यवहार हुआ तो आयोग ने दिल्ली पुलिस के खिलाफ कार्रवाई की मांग क्यों नहीं की? श्री बैज ने कहा, सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करने वालों पर कार्रवाई करना गलत है, यदि कार्रवाई करनी है तो कथित बर्बरता के जिम्मेदार लोगों पर होनी चाहिए।

भाजपा बोली- आयुष्मान योजना को लेकर भ्रम फैला रही कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने रविवार को एक बयान जारी कर आयुष्मान योजना को लेकर कांग्रेस द्वारा लगाए गए आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, कांग्रेस की बुनियाद झूठ की राजनीति पर टिकी हुई है, मुद्दाविहीन कांग्रेस आयुष्मान योजना को लेकर अनर्गल प्रलाप कर रही और जनता में भ्रम फैलाने की कोशिश कर रही है।

डॉ. मिश्रा ने कहा, वास्तविक स्थिति यह है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में राज्य शासन द्वारा योजना के अंतर्गत उपचार प्रदान करने वाले निजी अस्पतालों को 451 करोड़ रुपए राशि का भुगतान किया जा चुका है, वहीं निजी अस्पतालों के 379 करोड़ रुपए के दावों का भुगतान प्रक्रियाधीन है, इसके लिए सरकार ने 287 करोड़ राशि जारी गई है, जिससे भुगतान की कार्यवाही निरन्तर जारी है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि अस्पतालों को दावा राशि का भुगतान एक सतत एवं नियमित प्रक्रिया है, जो उपलब्ध बजटीय संसाधनों एवं स्वीकृत दावों के आधार पर किया जाता है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्य की विष्णुदेव साय सरकार गरीब एवं जरूरतमंद नागरिकों के इलाज के प्रति पूर्णतः संवेदनशील है। स्वास्थ्य विभाग एवं राज्य नोडल एजेंसी का निरंतर प्रयास है कि प्रदेश के प्रत्येक पात्र परिवार को गुणवत्तापूर्ण, निःशुल्क एवं सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध हों और इसके लिए अस्पतालों को भी नियमानुसार शीघ्र भुगतान सुनिश्चित किया जा रहा है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस की आदत रही है कि वह जनकल्याणकारी योजनाओं में अड़ंगा लगाए और अफवाह फैलाए, जब राज्य सरकार गरीबों को समय पर इलाज और अस्पतालों को समय पर भुगतान सुनिश्चित कर रही है, तब कांग्रेस झूठे और मनगढ़ंत आंकड़े पेश कर प्रदेश जनता को गुमराह करने की नाकाम कोशिश कर रही है।

कारगिल विजय दिवस पर शहीदों को किया नमन

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कारगिल विजय दिवस की गौरवमयी वर्षगांठ पर भारतीय सशस्त्र बलों के अदम्य साहस, अद्वितीय शौर्य एवं अटूट संकल्प को कोटि-कोटि नमन करते हुए कारगिल युद्ध के अमर वीरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। श्री चौधरी ने कहा कि कारगिल विजय दिवस भारतीय सेना के पराक्रम, वीरता और राष्ट्र के प्रति सर्वोच्च समर्पण का प्रतीक है। विपरीत परिस्थितियों में भी हमारे वीर जवानों ने अद्वितीय साहस का परिचय देते हुए मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। उन्होंने कहा कि कारगिल के वीर सैनिकों का त्याग, बलिदान और शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए प्रेरणास्त्रोत है। उनके अदम्य साहस के कारण देश की सीमाएं सुरक्षित हैं और भारत का गौरव अक्षुण्ण है। कारगिल के अमर शहीदों का बलिदान सदैव राष्ट्रवासियों के हृदय में अमिट रहेगा।

नकटी के ग्रामीणों की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस, विधि विभाग की बनेगी टीम

सरकार गरीब प्रभावितों के साथ न्याय करे, कांग्रेस हर स्तर पर लड़ाई लड़ेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

नकटी गांव में प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने एवं प्रकरण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित जांच समिति की बैठक में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, नकटी प्रभावितों के मामले में राज्य सरकार पूरी तरह उदासीन बनी हुई है। लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और न्याय के संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कांग्रेस कलेक्टर से लेकर राज्यपाल तक लगातार गुहार लगा चुकी है, लेकिन सरकार का रवैया असंवेदनशील बना हुआ है। बरसात में

प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा, तोड़फोड़ स्थल एवं आसपास की भूमि का राजस्व ऑडिट सार्वजनिक किया जाए।

बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में उन्होंने बताया कि नकटी प्रभावितों के न्याय एवं पुनर्वास के लिए राज्यपाल को पुनः पत्र लिखा जाएगा। कांग्रेस के विधि विभाग के पांच सदस्यीय दल का गठन किया जाएगा, जो प्रभावित परिवारों की ओर से न्यायालयीन लड़ाई की रणनीति तैयार करेगा। प्रभावित परिवारों का उसी स्थान पर सम्मानजनक पुनर्वास कर मकान उपलब्ध कराया जाए। तोड़फोड़ स्थल एवं आसपास की भूमि का राजस्व ऑडिट सार्वजनिक किया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन प्रभावशाली लोगों के हितों की रक्षा के लिए गरीब परिवारों के मकान तोड़े गए। कांग्रेस का आंदोलन आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा प्रदेश सरकार पर लोकतांत्रिक तरीके से दबाव बनाया जाएगा।

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
छत्तीसगढ़ का प्रथम 20 बिस्तरीय हॉस्पिटल जो की पूर्ण रूप से आयुर्वेदिक उपचार को समर्पित
समस्त रोगों का आयुर्वेदिक पद्धति द्वारा इलाज
• हड्डी एवं जोड़ों का दर्द • नसों का रोग • मानसिक रोग
• त्वचा एवं बालों का रोग • स्त्री रोग • मूत्र संबंधी रोग
• मधुमेह (डायबिटीज़) • नेत्र रोग • किडनी संबंधी रोग
• पेट संबंधी विकार • थायराइड मांसपेशी का रोग
• अस्थमा • मोटापा • मल द्वार रोग विशेषज्ञ
प्रदेश के समस्त शासकीय अधिकारी/कर्मचारी एवं उनके परिवार के आश्रित सदस्यों के उपचार उपरांत प्रतिपूर्ति (MEDICAL REIMBURSEMENTS) हेतु छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
सेक्टर -7 B कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003 | सिटी सेन्टर- कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666 | भिलाई सेन्टर-नेहरू नगर (पूर्व),एसबीआई बैंक के पास, भिलाई(छ.ग.) 95224 66605

न्यू मातृ स्मृति हॉस्पिटल
मेटरनिटी, चिल्ड्रन्स एवं सर्जिकल हॉस्पिटल
उपलब्ध सुविधाएं
• गर्भवती महिलाओं की संपूर्ण जांच व परामर्श नार्मल एवं सीजेरियन डिलीवरी
• एवं बच्चेदानी का ऑपरेशन व नसबंदी
• सर्वसुविधायुक्त PICU, NICU, OT
• बच्चों की सभी प्रकार की सर्जरी हर्निया, हाईड्रोसील, सरकम सीजन की सुविधा
• आयुष्मान कार्ड और CSEB से कैशलेस उपचार,
• TPA की सुविधा
माँ और शिशु का विश्वास
डॉ. सी.पी.सिंह (एमबीबीएस, एमडी) शिशु एवं बाल्य रोग विशेषज्ञ
डॉ. नीलिमा सिंह (एमबीबीएस, डी.जी.ओ.) स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
9009553889, 9090204620
एकता नगर, अम्बेडकर चौक के पास, गुढ़ियारी रायपुर
ब्रांच : मातृ स्मृति मंगल बाजार, गायत्री मंदिर के सामने, गुढ़ियारी, रायपुर

BHASKAR EYE CARE भास्कर आई केयर
कालामोतिया नजर चुराता है और दर्द भी नही होता!
प्रदेश के प्रसिद्ध ग्लूकोमा विशेषज्ञ द्वारा सम्पूर्ण कालामोतिया जांच एवं उपचार
लेजर एवं बिना टांकों की ग्लूकोमा MIGS सर्जरी • आंखों की सूखती नस का इलाज
EYE PRESSURE (IOP) • GONIOSCOPY • OCT & FIELD TEST
डॉ. दिलीप लालवानी
नेत्र रोग विशेषज्ञ
फेको सर्जन एवं ग्लूकोमा विशेषज्ञ
MOORFIELDS EYE HOSPITAL, LONDON
ARAVIND EYE HOSPITAL, COIMBATORE
निरंकारी सत्संग भवन के पास, हिंद स्पोर्ट्स फुटबॉल ग्राउंड के पास, ईदगाह भाठा, रायपुर (छ.ग.) 07714024989 | 9329124989

एडवांस्ड यूरोलॉजी सेवाएं अब गावरी नर्सिंग होम में
फाफाडीह, टिम्बर मार्केट रोड, रायपुर
9827144197, 9827144777
मूत्र रोग एवं सर्जरी
किडनी की पथरी का संपूर्ण इलाज
प्रोस्टेट का संपूर्ण इलाज
यौन संबंधी समस्याएं
महिलाओं में पेशाब लीक की समस्याएं
DR. ABHISHEK GAWRI
MBBS, MS (Surgery), DrNB (Urology)
Consultant Urologist Andrologist & Reconstructive Surgery
आयुष्मान कार्ड की सुविधा उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धरमपुरा, रायपुर में स्थित प्रकोष्ठ भवन क्रमांक- **EWS- 40/10** द्वितीय-तल को **श्री हरीशचंद्र सेठ पिता स्व. श्री रामस्वरूप सेठ** पताः- 27/647, हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी, खम्हारडीह, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.) के नाम पर स्ववित्तीय आधार पर आबंटित किया गया है। आबंटी द्वारा उक्त भवन के विरूद्ध पूर्ण राशि जमा कर पंजीयन कार्यालय रायपुर से दिनांक 20.03.2013 को रजिस्ट्री की कार्यवाही पूर्ण कर लिया गया है। पूर्ण राशि जमा कर भवन का आधिपत्य आदेश दिनांक 08.04.2013 को प्राप्त कर लिया है। **श्री हरीशचंद्र सेठ पिता स्व. श्री रामस्वरूप सेठ** की मृत्यु दिनांक 26.03.2018 को हो गया है। **श्रीमती शशि सेठ पति श्री हरीशचंद्र सेठ** ने अपने पति की मृत्यु होने के उपरांत उक्त भवन को अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र के साथ मृत्यु प्रमाण पत्र, शपथ पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उक्त प्रकोष्ठ भवन से **श्रीमती शशि सेठ पति स्व. श्री हरीशचंद्र सेठ** के नाम से नामांतरण करने पर किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्धशासकीय संस्था, निकाय बैंक अथवा वित्तीय संस्था इत्यादि को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज प्रस्तुत करे। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल प्रक्षेत्र
नवा रायपुर अटल नगर,

भाजपा निकालेगी प्रदेश में तीन हजार स्थानों पर तिरंगा यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

स्वतंत्रता दिवस पर भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान

प्रदेश भाजपा संगठन का अगले माह स्वतंत्रता दिवस को लेकर अगस्त में हर घर तिरंगा अभियान प्रारंभ होगा। इसी के साथ प्रदेश भर में तिरंगा यात्रा भी निकाली जाएगी। प्रदेश में करीब तीन हजार स्थानों में तिरंगा यात्रा निकलेगी। हर मंडल में आधा दर्जन स्थानों पर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसमें भाजपा के सभी छोटे-बड़े नेता, मंत्री, विधायक, सांसद सभी जनप्रतिनिधि शामिल होंगे। इसे लेकर भाजपा ने प्रदेश समिति भी बनाई है। इसका प्रदेश संयोजक यशवंत जैन को बनाया गया है। भाजपा के राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर देश के हर राज्य में भाजपा का हर घर

तिरंगा अभियान 10 से 15 अगस्त तक चलेगा। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ में भी यह अभियान चलेगा। इसको लेकर प्रदेश संगठन ने अभी से तैयारी प्रारंभ कर दी है। जहां प्रदेश समिति का ऐलान हो गया है, वहीं जिलों में बैठकों का दौर भी चल रहा है। जिलों में भी समिति का गठन किया जा रहा है। जिलों में 31 जुलाई तक बैठक पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठकों में बताया जा रहा है कि राष्ट्रीय संगठन के निर्देश पर क्या करना है।

मंडलों पर फोकस

भाजपा के प्रदेश में 476 मंडल हैं। मंडलों पर फोकस करते हुए भाजपा ने मंडलों में तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला किया है। वैसे तो प्रदेश के बड़े शहरों में भी तिरंगा यात्रा निकालेगी, इसमें प्रदेश के मंत्री, विधायक, सांसद भी शामिल होंगे। राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के कुछ स्थानों की तिरंगा यात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी शामिल होंगे। प्रदेश संयोजक यशवंत जैन के मुताबिक हर मंडल में एक प्रमुख तिरंगा यात्रा के साथ ही मंडलों के अन्य पांच स्थानों में भी तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी।

खबर संक्षेप

देवी जसगान और झांकी स्पर्धा का समापन

रायपुर। बड़ा अशोकनगर गुढ़ियारी दुर्गा चौक में दो दिवसीय आयोजित देवी जसगान एवं झांकी प्रतियोगिता का समापन रविवार को किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न मंडली हिस्सा लिया। प्रमुख प्रस्तुतियां: पारंपरिक देवी जस गायन, वाद्ययंत्रों की धुन और पौराणिक कथाओं पर आधारित जीवंत झांकी दिया गया। कार्यक्रम आयोजक ने बताया कि देवी जस गीत एवं झांकी प्रतियोगिता छत्तीसगढ़ की एक प्रसिद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा है, जिसमें माँ दुर्गा और अन्य देवियों के भक्तिमय जस गीत गाए जाते हैं और आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की जाती हैं। यह प्रतियोगिताएं छत्तीसगढ़ के विभिन्न गांवों और शहरों में बड़े उत्साह के साथ आयोजित की जाती हैं।

'मन की बात' से विकसित भारत का संकल्प हुआ मजबूत

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने रविवार को नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी, युवा शक्ति और आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित प्रेरक संदेशों को देश के विकास के लिए मार्गदर्शक बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा, देश सदैव उनके शौर्य, पराक्रम और त्याग का ऋणी रहेगा। अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं की ऊर्जा, खिलाड़ियों की उपलब्धियों और नवाचार की बढ़ती संस्कृति का उल्लेख करते हुए आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्वदेशी रक्षा तकनीकों की वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान को भारत की सामर्थ्य और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री के प्रेरक संदेश नई ऊर्जा प्रदान करते हैं।

सालेम इंग्लिश स्कूल में मनाया ग्रीन डे, बच्चों ने किया पौधारोपण

रायपुर। सालेम इंग्लिश स्कूल में ग्रीन डे मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के बच्चों द्वारा शाला प्रांगण में पौधारोपण किया गया। इसी दौरान विद्यार्थियों ने पर्यावरण को बचाने और पेड़-पौधे लगाने का संकल्प लिया। सभी कक्षा की शिक्षिकाओं ने अपने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। स्कूल की प्राचार्य रुपिका लॉरेंस एवं आए हुए अतिथियों ने सभी कक्षाओं का भ्रमण किया और सभी विद्यार्थियों की मेहनत को सराहा।

निधन

रजवंतिन जोशी

रायपुर। देवपुरी निवासी रजवंतिन जोशी (85) वर्ष का रविवार को निधन हो गया। वे पूर्व सरपंच रामकुमार जोशी, राजेंद्र जोशी, नंदकुमार, केवल जोशी की माता, पत्रकार हेमेश चेरियन, जैनेंद्र बंजारे की नानी, पवन, कमल संदीप, दीपेश संजय, राहुल, कौशल, अश्वनी, यशु, शुभम दादी थीं।

मोहनलाल आहूजा

रायपुर। ड्रीम प्लाजा अमलीडीह निवासी मोहनलाल आहूजा का 26 जुलाई को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 27 जुलाई को सुबह 11 बजे निवास स्थान से तेलीबांधा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे इंदर आहूजा, अजय आहूजा के पिता थे।

व्यापम ने पूछा-विषाणु किस जगत से, 1922 के रायपुर सम्मेलन में किस ब्रिटिश अधिकारी ने मांगे फ्री पास?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रविवार को आयोजित प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा में उम्मीद से कम अभ्यर्थी शामिल हुए। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा आयोजित इस परीक्षा के लिए 65 हजार 500 आवेदन मिले थे। लेकिन इनमें से सिर्फ 58.50% कैंडिडेट्स ही परीक्षा में शामिल हुए। रायपुर में इस परीक्षा के लिए 16987 अभ्यर्थियों ने पंजीयन कराया था। इनमें से परीक्षा दिलाने 9461 कैंडिडेट ही पहुंचे। 42 प्रतिशत अभ्यर्थियों के परीक्षा से गायब रहने के कारण कई केंद्र खाली-खाली रहे। परीक्षार्थियों से 100 बहुवैकल्पिक सवाल पूछे गए।

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अंतर्गत रिक्त पदों पर इस भर्ती परीक्षा के माध्यम से नियुक्ति की जाएगी। परीक्षा का सुबह 10 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित हुई। इसके लिए रायपुर में 52 केंद्र बनाए गए थे। आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता मान्यता प्राप्त बोर्ड से विज्ञान विषय के साथ हायर सेकेंडरी उत्तीर्ण रखी गई थी। इस कारण भी इसके लिए थोक में आवेदन मिले। निर्धारित ड्रेस कोड में जांच के बाद परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश दिया गया। किसी तरह की विवाद या अव्यवस्था की स्थिति इस परीक्षा में उत्पन्न नहीं हुई।

प्रयोगशाला परिचारक भर्ती परीक्षा : 58.50% हुए परीक्षा में शामिल

65,500 आवेदन मिले थे व्यापम को, पर्यावरण संरक्षण मंडल के अंतर्गत होगी भर्ती

संसद व संविधान संबंधित प्रश्न

छत्तीसगढ़ आधारित प्रश्न रोचक रहने के साथ-साथ सरल भी रहे। प्रदेश की भौगोलिक अवस्था के साथ-साथ धर्म-संस्कृति से जुड़े प्रश्न भी व्यापम ने पूछे। भारतीय संविधान और संसद से जुड़े सवाल भी बड़ी संख्या में पूछे गए। राष्ट्रपति के कार्यकाल, भारतीय संविधान में स्वतंत्रता का अधिकार किस अनुच्छेद में वर्णित है, राष्ट्रपति पर महाभियोग लगाने का अधिकार किसके पास है, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है, जैसे सवाल प्रश्नपत्र का हिस्सा रहे।

इस तरह के सवाल

- 1922 के रायपुर जिला सम्मेलन में निशुल्क पास की मांग करने वाले ब्रिटिश अधिकारी कौन थे?
- विषाणुओं का संबंध किस जगत से माना जाता है?
- छग का प्रथम रामसर साइट कौन सा है?
- छग के जिलों को उत्तर से दक्षिण के क्रम में लगाएं।
- बैगा जनजाति किससे संबंधित है?
- छग की किस जनजाति द्वारा सरहुल पर्व मनाया जाता है?
- खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 का आधिकारिक शुभंकर क्या था?
- शरीर में रक्त का शुद्धिकरण कौन सा अंग करता है?
- करमागढ़ एवं बसनाझार किस जिले में स्थित है?
- लोकायत किस दर्शन का दूसरा नाम है?
- रतनपुर में प्रसिद्ध रामटेकड़ी मंदिर का निर्माण किसने किया?
- अंडजनन की अवस्थाओं को सही क्रम में व्यवस्थित कीजिए।
- कैक्टस के नुकीले कांटे पौधे के किस भाग के रुपांतरण हैं?

30 जुलाई तक हस्तनिर्मित राखी, शुभकामना संदेश और आंगन की पावन मिट्टी भेजने की अपील

रक्षाबंधन पर सैनिकों के सम्मान में शुरू हुआ 'ऑपरेशन सिपाही रक्षासूत्र अभियान-2026'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर देश की सीमाओं की रक्षा में तैनात वीर जवानों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और आत्मीयता प्रकट करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ में 'ऑपरेशन सिपाही रक्षा-सूत्र अभियान-2026' का शुभारंभ किया गया है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने प्रदेश की सभी माताओं, बहनों और बच्चों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील करते हुए इसे सैनिकों के प्रति सम्मान का एक बड़ा जनआंदोलन बनाने का आव्हान किया है।

हाथों से बनी राखी, संदेश और आंगन की माटी भेजने का आग्रह

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से आग्रह किया है कि वे अपने हाथों से सुंदर राखी तैयार करें, उसके साथ सैनिकों के नाम शुभकामना संदेश लिखें और विजय तिलक के लिए अपने आंगन की एक चुटकी पावन मिट्टी लिफाफे में रखें। यह मिट्टी मातृभूमि के आशीर्वाद और छत्तीसगढ़ की आत्मीय भावनाओं का प्रतीक बनेगी।

महिला-बाल विकास मंत्री ने अभियान को जनआंदोलन बनाने का किया आव्हा

वीर जवानों तक पहुंचेगा पूरे प्रदेश का स्नेह

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सीमाओं पर दिन-रात तैनात वीर सैनिकों के अदम्य साहस, समर्पण और त्याग के प्रति सम्मान व्यक्त करना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि सुरक्षा, विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है। इस अभियान के माध्यम से छत्तीसगढ़ की माताओं, बहनों और बच्चों का प्यार और स्नेह सीधे देश के वीर जवानों तक पहुंचेगा।

30 जुलाई तक जमा कर सकेंगे लिफाफा

मंत्री ने समयसीमा की जानकारी देते हुए बताया कि हस्तनिर्मित राखी, शुभकामना संदेश एवं पावन मिट्टी का लिफाफा 30 जुलाई 2026 तक निकटतम आंगनबाड़ी केंद्र अथवा महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना कार्यालय में अनिवार्य रूप से जमा कराया जाए। अभियान के तहत एकत्रित सभी रक्षा-सूत्र 'पूर्व सैनिक महासभा' के माध्यम से नई दिल्ली स्थित सेना मुख्यालय भेजे जाएंगे, जहां से इन्हें देशभर के विभिन्न मोर्चों पर तैनात सैनिकों तक पहुंचाया जाएगा।

सैनिकों के साथ मजबूती से खड़ा है छत्तीसगढ़

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रदेशवासियों से अपील की कि इस अभियान को जनभागीदारी का एक प्रेरक उदाहरण बनाएं और अपने सैनिक भाइयों तक यह मजबूत संदेश पहुंचाएं कि पूरा छत्तीसगढ़ उनके सम्मान, सुरक्षा और गौरव के साथ मुस्तैदी से खड़ा है।

हाईवे पेट्रोलिंग से मिली राहत, छह माह में 52 लोगों की जान बचाई

एनएच-53 को चार सेक्टरों में बांटकर निगरानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नेशनल हाईवे पर पेट्रोलिंग टीम की लगातार गश्त से सड़क दुर्घटना में गंभीर घायलों को त्वरित सहायता मिल रही है। हाईवे पेट्रोलिंग की टीम ने पिछले छह महीने में 52 घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाकर उनकी जान बचाई है। एनएच-53 को हाईवे पेट्रोलिंग चार सेक्टरों में बांटकर पेट्रोलिंग कर रही है।

हाईवे पेट्रोलिंग टीम द्वारा सड़कों पर अवैध रूप से खड़े वाहनों एवं अन्य बाधाओं को हटाकर यातायात सुचारू बनाए रखने लगातार अभियान चलाया जा रहा है। जून तक 6 हजार 359 अवैध पार्किंग में खड़े वाहनों को हटाया गया, 833 मवेशियों को सड़क से सुरक्षित हटाने का काम किया तथा यातायात जाम की स्थिति का त्वरित निराकरण कर आवाजाही सामान्य करने का काम किया है।

गाड़ियों की संख्या बढ़ने से गश्त में तेजी

सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पिछले महीने पुलिस मुख्यालय द्वारा यातायात पुलिस रायपुर को चार नए आधुनिक हाईवे पेट्रोलिंग वाहन उपलब्ध कराए गए। ये वाहन अत्याधुनिक संसाधनों एवं आवश्यक आपातकालीन उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिनके माध्यम से दुर्घटना स्थल पर शीघ्र पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

जारी किया हेल्पलाइन नंबर

बेहतर निगरानी एवं त्वरित रिस्पॉन्स सुनिश्चित करने के लिए एनएच-53 के खारुन नदी पुल से महानदी पुल तक के मार्ग को चार सेक्टरों में विभाजित किया गया है। इसके अलावा लोगों को सहायता पहुंचाने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, अलग-अलग सेक्टरों के मोबाइल नंबर इस तरह से हैं।

- *खारुन नदी पुल से पचपेड़ी नाका चौक - 6232021308*
- *पचपेड़ी नाका चौक से रिंगरोड-3 जंक्शन - 7024123223*
- *रिंगरोड-3 जंक्शन से लखोली टोल प्लाजा - 7024123183*
- *लखोली टोल प्लाजा से महानदी पुल - 9479289588*

गोशाला में माता-पिता और पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के ग्राम तर्रा स्थित अग्र सेवा गोशाला में रविवार को पूर्वजों के नाम दो वृक्ष अभियान के प्रथम चरण का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, सेवा एवं पारिवारिक सहभागिता के साथ किया गया। इस अवसर पर आजीवन सदस्यों एवं दानदाता परिवारों ने अपने माता-पिता, बुजुर्गों एवं पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रत्येक पौधे पर संबंधित पूर्वजों के नाम की नामपट्टिका भी स्थापित की गई, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों के संस्कारों, आदर्शों एवं सेवा परंपरा से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। इस मौके पर अग्रसेवा सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्ष केवल हरियाली का प्रतीक नहीं, बल्कि जीवन, सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और सनातन परंपरा का आधार है। गोशाला परिसर में लगाए जा रहे ये वृक्ष भविष्य में गोमाताओं को शीतल छाया, स्वच्छ वायु एवं प्राकृतिक वातावरण प्रदान करेंगे। साथ ही उन्होंने सभी अग्रबंधुओं एवं समाजजनों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन के शुभ अवसरों- जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि अथवा अन्य मांगलिक अवसरों पर परिवार सहित गौशाला आकर गोमाता की सेवा करें तथा ऐसे सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों से जुड़ें। इससे नई पीढ़ी में सेवा, संस्कार एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा। इसी दौरान गोशाला संचालन समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि जिन सदस्य परिवारों का पौधारोपण शेष है, उनके लिए अभियान का द्वितीय चरण अगले रविवार को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण एवं पूर्वजों के सम्मान का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर समाज को नई दिशा प्रदान करेगा।

लक्ष्य अधूरा, बांटने थे 16.35 लाख पौधे, आधा रेनी सीजन पार, केवल दो लाख ही बांट पाए

कैम्पा, विभागीय, किसान मित्र योजना के तहत बांटने हैं पौधे

पौधा वितरण में पिछड़ने का कारण देर से मानसून आना बता रहे अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इस मानसून हरियाली बिखेरने 16 लाख 35 हजार पौधे वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बारिश का आधा सीजन बीतने के बाद भी अब तक केवल दो लाख पौधों का वितरण हो पाया है। इस संबंध में जिम्मेदार अफसरों से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि इस बार मानसून देर से आया है, इस कारण पौधों के वितरण में विलंब हुआ है। मानसून के रफ्तार पकड़ते ही पौधे लेने वाले नर्सरी पहुंच रहे हैं। इसके अलावा जिन जगहों में पौधे पहुंचाने का काम है, वहां पौधे पहुंचाए जा रहे हैं।

अफसरों के अनुसार, निजी क्षेत्र में ज्यादातर फलदार पौधों की मांग की जाती है। फलदार में आम, आंवला, अमरूद के अलावा इस बार नीम तथा पीपल के पौधों की मांग ज्यादा है। किसान मित्र योजना के तहत अब तक एक भी पौधे का वितरण नहीं किया गया है। वीबी रामजी योजना के तहत अब तक सबसे ज्यादा वितरण किया गया है, इस योजना में 10 लाख 40 हजार पौधों का वितरण करना है, इनमें अब तक एक लाख 37 हजार से ज्यादा पौधों का वितरण किया जा जा चुका है।

इन योजनाओं के तहत बांटने हैं पौधे

- **वीबीजी रामजी योजना-** लक्ष्य 10 लाख 40 हजार- अब तक एक लाख 37 हजार 351 बांटे
- **कैम्पा योजना -** लक्ष्य एक लाख - अब तक वितरित किए गए 44 हजार 350

विभागीय योजना

- ***मिश्रित प्रजाति*** *- लक्ष्य 50 हजार- अब तक वितरण हो पाए दो हजार*
- ***साधारण बांस*** *- लक्ष्य 25 हजार हजार - अब तक वितरण नहीं हो पाए*
- ***हरियाली प्रसार*** *- लक्ष्य 50 हजार - अब तक पौधों का वितरण नहीं*
- ***20 ग्रॉफ्टेड पौधों की तैयारी*** *- लक्ष्य 20 हजार - अब तक वितरण हो पाए 1500*
- ***किसान मित्र योजना*** *- लक्ष्य 2 लाख 50 हजार - अब तक पौधों का वितरण नहीं*

गुरु पूर्णिमा पर अखंड रामचरित मानस पाठ, भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रावण मास अखंड रामायण पाठ समिति बूढ़ापारा द्वारा 29 जुलाई को हनुमान मंदिर सप्रे शाला परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह कार्यक्रम शाम 5.30 बजे प्रारंभ होगा। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होकर निकलेगी, जिसमें भगवान श्रीराम दरबार की आकर्षक झांकी, भगवान श्रीराम की प्रतिमा, भजन-कीर्तन मंडलियां, डीजे, 21 महिलाओं की पारंपरिक कलश यात्रा तथा धार्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समिति के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीराम और हनुमानजी के जयकारे लगाएंगे। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समिति ने श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। यह कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं संरक्षक मंडल के मार्गदर्शन में होगा। शोभायात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ प्रारंभ होगा। पूरे श्रावण मास के दौरान श्रद्धालु चौबीसों घंटे श्रीरामचरित मानस के दोहे, चौपाइयों, छंदों एवं सोरठों का श्रवण कर सकेंगे। प्रतिदिन हवन, पूजन और आरती का आयोजन भी किया जाएगा।

यह धार्मिक अनुष्ठान 28 अगस्त रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगा। समापन अवसर पर पूर्णाहुति, हवन एवं विशेष पूजा-अर्चना के साथ अखंड पाठ का विधिवत समापन किया जाएगा। आयोजन के दौरान समिति द्वारा श्रद्धालुओं एवं पाठ करने वाले पंडितों के लिए भोजन-प्रसादी की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय व्यापारी बैठक में हर घर तिरंगा हर दुकान तिरंगा अभियान पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय व्यापार महोत्सव में इस बार आजादी के भव्य महोत्सव की झलक नजर आएगी। हर घर तिरंगा हर दुकान तिरंगा के राष्ट्रीय अभियान को देशभर के व्याापरियों के माध्यम से चलाने पर चर्चा की गई।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंह देव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि नई दिल्ली में 25 जुलाई से शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए 200 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में व्यापार एवं उद्योग से जुड़े समसामयिक विषयों, देश के आर्थिक विकास में व्यापार जगत की भूमिका तथा 12 से 15 अगस्त, तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। श्री पारवानी ने बताया कि बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा अभियान को देशभर के व्यापारियों के माध्यम से व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का रहा। सम्मेलन से देश के समस्त व्यापारियों से आव्हान किया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर, प्रत्येक दुकान और प्रत्येक बाजार तिरंगे की शान से सजे तथा राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचे। बैठक में निर्णय लिया गया कि देशभर के बाजारों में बड़े स्तर पर तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। इन यात्राओं में विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति पर आधारित आकर्षक झांकियां भी निकाली जाएंगी।

कैट की नई दिल्ली में दो दिनी राष्ट्रीय व्यापारी बैठक

पेज 11 के शेष

मौसम का वायरल अटैक, बुखार, कमजोरी...

बारिश के मौसम में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता थोड़ी कमजोर हो जाती है, वहीं मौसमी वायरस ताकतवर हो जाते हैं, जो बच्चों, अधिक आयु और कम इम्युनिटी वाले लोगों पर हमला कर उन्हें बीमार कर देते हैं। अभी बारिश और बीच में ब्रेक जैसी स्थिति बन रही है, जिसका विपरीत असर लोगों के स्वास्थ्य पर हो रहा है। पिछले एक सप्ताह में गली-मोहल्ले के क्लीनिकों के साथ सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। रेनी सीजन में ज्यादातर जलजनित समस्याएं होती हैं, मगर बीच में होने वाले ब्रेक के दौरान बुखार, सर्दी, खांसी के साथ कमजोरी और बदन दर्द जैसी समस्या भी सामने आने लगती है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की समस्या कुछ इसी तरह की है, जिन्हें लक्षण के आधार पर जांच के बाद चिकित्सक दवा दे रहे हैं। आंबेडकर अस्पताल के मेडिसिन विभाग से जुड़े चिकित्सकों के मुताबिक यहां सामान्य दिनों में ओपीडी में प्रतिदिन ढाई से तीन सौ मरीज पहुंचते हैं। इनमें सौ से सवा सौ मरीज मौसमी बीमारी से संबंधित है। अच्छी बात यह है कि बुखार की समस्या ज्यादा दिनों तक परेशान नहीं कर रहा है। सामान्यत: तीन से पांच दिन की नियमित खुराक से समस्या ठीक हो जा रही है।

अनाधिकृत बैनर-पोस्टर और विज्ञापनों...

प्रतिष्ठानों, विज्ञापन एजेंसियों और आम नागरिकों से नियम का पालन करने की अपील की है। निगम के विभागीय अधिकारियों ने साफतौर पर कहा कि दुकानों पर बिना अनुमति केवल प्रतिष्ठान और संचालक का नाम ही लिखा जा सकता है। किसी भी कंपनी, ब्रांड या सेवा का प्रचार-प्रसार बिना पूर्व अनुमति के करना पूरी तरह अनाधिकृत माना जाएगा।

सप्ताहभर की दी मोहलत: दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कहा गया है कि वे सूचना की तिथि से सप्ताहभर के भीतर अपनी दुकानों पर लगे सभी अनाधिकृत ब्रांडिंग एवं विज्ञापन सामग्री खुद हटा लें, अथवा नगर निगम से नियमानुसार अनुमति प्राप्त करें। अवधि समाप्त होने के बाद निरीक्षण कर सीधे 50 हजार रुपए का ई-चालान और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अनाधिकृत होर्डिंग्स, विज्ञापनों पर न्यूनतम 1 लाख रुपए का जुर्माना तथा संबंधित अवधि का विज्ञापन शुल्क देय होगा।

पोस्टर और फ्लॉयर के लिए जोनवार...

सेलून के सामने, चंगोराभाठा बाजार चौक मंच के ऊपर, लाखेनगर चौक।
जोन 6 - आईएसबीटी गेट नंबर 3 बाउंड्रीवॉल के दोनों ओर की दीवार, रिंग रोड दुर्गा मंदिर के पास वाचनालय भवन से गार्डन एवं 100 बिस्तर अस्पताल की दीवार, भाठागांव पौनी पसारी बाजार मुख्य मार्ग की दीवार।
जोन 7 - कबीर चौक फ्लाईओवर के नीचे की दीवार पर।
जोन 8 - पौनी पसारी सब्जी मंडी शिवाजी नगर
जोन 9 - मढ़िया तालाब, गारमेंट फैक्ट्री पाम ब्लाजियो के सामने, दलदल सिवनी पानी टंकी के पास, जोरा और फुंडहर पानी टंकी परिसर।
जोन 10- जोन कार्यालय बाउंड्रीवॉल, आंगनबाड़ी, अमलीडीह गोठान।

दो साल से पेंशन का इंतजार, आज से धरने पर...

उनके पेंशन भुगतान आदेश जारी किए गए हैं और न ही नियमित पेंशन तथा महंगाई राहत का भुगतान हो रहा है। संघ का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और लेखा नियंत्रक के समक्ष व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से कई बार अनुरोध किया गया, लेकिन हर बार नई प्रशासनिक और विभागीय आपत्तियां लगाकर प्रकरण लंबित रखे गए। इस संबंध में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, वित्त सचिव सहित अन्य सक्षम अधिकारियों को भी ज्ञापन और पत्र भेजे गए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सीड बाल बनाने में शिक्षिका चंचल शुक्ला ने मिसाल दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवां

मिट्टी, खाद और बीजों के मिश्रण से बने छोटे-छोटे गेंदों को खाली जमीनों में डाले वह स्वयं अंकुरित होंगे

जहां एक तरफ आधुनिकता की दौड़ में लगातार जंगलों का सफाया हो रहा है और हजारों पेड़ काटे जा रहे हैं, वहीं सांकरा की जागरूक शिक्षिका चंचल शुक्ला ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनुकरणीय मिसाल पेश की है। धरसींवां बीआरसीसी प्रकाश यादव के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित ब्लॉक स्तरीय मासिक पीएलसी (पेशेवर शिक्षण समुदाय) बैठक में शिक्षिका चंचल शुक्ला ने ग्रामीण क्षेत्र के शिक्षकों को पर्यावरण सुधार का एक सशक्त माध्यम 'सीड बॉल' बनाना सिखाया। बैठक की शुरुआत में जब शिक्षिका ने उपस्थित शिक्षकों से सीड बॉल्स के बारे में जानकारी ली, तो यह बात सामने आई कि अधिकांश शिक्षकों को इस तकनीक का कोई ज्ञान नहीं था। इसके बाद चंचल शुक्ला ने स्वयं सभी के सामने सीड बॉल बनाने का व्यावहारिक प्रदर्शन (डेमो) दिया। उनकी इस आसान और असरदार तकनीक को देखकर प्रेरित हुए सभी शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक खुद अपने हाथों से सीड बॉल्स का निर्माण किया।

10,000 से अधिक सीड बॉल्स तैयार

शिक्षिका का यह हरित प्रयास कोई नया नहीं है। बता दे कि कोरोना महामारी के दौर से पहले भी उन्होंने इंस्पायर अवॉर्ड मानक योजना के तहत अपने विद्यालय के बच्चों को सीड बॉल्स बनाने के लिए प्रेरित किया था। उनके इस मार्गदर्शन का ही परिणाम है कि उनके स्कूल के बच्चे अब तक 10,000 से अधिक सीड बॉल्स तैयार कर चुके हैं। यही नहीं, बच्चों और शिक्षिका का हौसला इतना बुलंद है कि वे आने वाले महज 5 दिनों के भीतर 50,000 और सीड बॉल्स बनाने के वृहद लक्ष्य पर जी-जान से काम कर रहे हैं। शिक्षिका चंचल शुक्ला का यह समर्पित और रचनात्मक प्रयास न केवल क्षेत्र के शिक्षकों बल्कि पूरे समाज के लिए एक बड़ा प्रेरणास्रोत बन गया है।

शिक्षिका चंचल शुक्ला ने बैठक में शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की विभिन्न शैक्षणिक योजनाओं को स्कूलों में सफलतापूर्वक लागू करने के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करना हम सभी बच्चों और शिक्षकों का पहला नैतिक कर्तव्य है। आज के समय में सीड बॉल प्रकृति को पुनर्जीवित करने का एक बेहतरीन माध्यम साबित हो सकता है। मिट्टी, खाद और बीजों के मिश्रण से बनी इन छोटी-छोटी गेंदों को खाली पड़ी जमीनों, पहाड़ियों या रास्तों के किनारे फेंक देने से बारिश के मौसम में स्वतः ही नए पौधे अंकुरित हो जाते हैं।

खबर संक्षेप

खेल जगत में सफलता के पीछे युवाओं की प्रतिभा

कूंरा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के लोकप्रिय जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' का सामूहिक श्रवण कार्यक्रम बोहरही धाम मंडल, ग्राम पंचायत कुकेरा स्थित साहू भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा कार्यकर्ताओं एवं ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को उत्साहपूर्वक सुना। प्रधानमंत्री जी ने अपने संबोधन में देश की उपलब्धियों, युवाओं की प्रतिभा, खेल जगत में भारत की बढ़ती सफलता तथा समाज में सकारात्मक बदलाव लाने वाले प्रेरणादायी प्रयासों का उल्लेख किया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री जी द्वारा देशवासियों से किए गए संवाद को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि 'मन की बात' के माध्यम से देश के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों और समाज के प्रेरणादायी प्रयासों को पूरे देश के सामने लाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर मुख्य रूप से अंजय शुक्ला, प्रदेश संयोजक—बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ एवं उपाध्यक्ष, औषधि पादप बोर्ड छत्तीसगढ़, जिला पिछड़ा मोर्चा के महामंत्री श्री कृष्णकुमार वर्मा जी, पिछड़ा मंडल महामंत्री श्री अशोक साहू, पिछड़ा वर्ग महामंत्री श्री केदार वर्मा, बंटी शर्मा, विकास शर्मा, अनुपमा वर्मा, संतोष वर्मा, श्रीकांत पवार, नीलकंठ आडिल, उमेंद्र निषाद, रुखमणि साहू, कादिर कुरैशी, ठाकुर राम वर्मा, कामता साहू, रमेश निषाद, पार्वती साहू, भोजा साहू, पार्वती निषाद, शीला निषाद, सुरेश निषाद, जोहतरीन साहू सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मन की बात' से विकसित भारत का संकल्प हुआ मजबूत

रायपुर। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने रविवार को नवा रायपुर स्थित अपने निवास कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण का श्रवण किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री के राष्ट्र निर्माण, जनभागीदारी, युवा शक्ति और आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित प्रेरक संदेशों को देश के विकास के लिए मार्गदर्शक बताया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में सर्वप्रथम कारगिल विजय दिवस के अवसर पर मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों को श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा, देश सदैव उनके शौर्य, पराक्रम और त्याग का ऋणी रहेगा। अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने युवाओं की ऊर्जा, खिलाड़ियों की उपलब्धियों और नवाचार की बढ़ती संस्कृति का उल्लेख करते हुए आत्मविश्वास के साथ विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत स्वदेशी रक्षा तकनीकों की वैश्विक स्तर पर बढ़ती पहचान को भारत की सामर्थ्य और आत्मविश्वास का प्रतीक बताया। प्रधानमंत्री के प्रेरक संदेश नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के पश्चात मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा, 'मन की बात' केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जन-जन को राष्ट्रहित, सेवा, कर्तव्य और सकारात्मक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने वाला जनआंदोलन बन चुका है। प्रधानमंत्री के विचार प्रत्येक नागरिक को समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने की प्रेरणा देते हैं।

एक माह बीत जाने के बाद भी प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के लिए ठोस निर्णय नहीं लिया गया

नकटी के प्रभावितों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस करेगी आंदोलन : बैज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सिलयारी

- प्रदेश कांग्रेस जांच समिति की तीसरी बैठक में ने तैयार की गई रणनीति

नकटी गांव में प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने एवं प्रकरण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा के लिए छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा गठित जांच समिति की तीसरी बैठक आज आयोजित की गई। बैठक में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज विशेष रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में जांच समिति के संयोजक एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू, पूर्व मंत्री डॉक्टर शिव कुमार डहरिया, जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के जिलाअध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, रायपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री कुमार शंकर मेनन, पूर्व विधायक विकास उपाध्याय, सुशील आनंद शुक्ला पंकज शर्मा, भावेश बघेल, आशीष वर्मा सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि नकटी प्रभावितों के मामले में राज्य सरकार पूरी तरह उदासीन बनी हुई है। लगभग एक माह बीत जाने के बाद भी प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और न्याय के संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। कांग्रेस पार्टी कलेक्टर से लेकर महामहिम राज्यपाल तक लगातार गुहार लगा चुकी है, लेकिन सरकार का रवैया असंवेदनशील बना हुआ है। बरसात के इस मौसम में प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं।

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा कि नकटी के पीड़ित परिवार पिछले एक महीने से अधिक समय से अत्यंत कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। बरसात में खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर इन परिवारों की सुध लेने के बजाय सरकार मौन बनी हुई है। जिला कांग्रेस कमेटी प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ी है और गांव में ही सम्मानजनक पुनर्वास, दोषी अधिकारियों की जवाबदेही तथा पीड़ितों को न्याय मिलने तक संघर्ष निरंतर जारी रहेगा। बैठक में उपस्थित सभी नेताओं ने एक स्वर में कहा कि नकटी प्रभावितों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी का आंदोलन आगे भी निरंतर जारी रहेगा तथा प्रदेश सरकार पर लोकतांत्रिक तरीके से दबाव बनाया जाएगा।

बैठक में निम्न निर्णय लिए गए

नकटी प्रभावितों के न्याय एवं पुनर्वास के लिए राज्यपाल को पुनः अनुरोध पत्र प्रेषित किया जाएगा। कांग्रेस के विधि विभाग के पांच सदस्यीय दल का गठन किया जाएगा, जो प्रभावित परिवारों की ओर से न्यायालयीन लड़ाई की रणनीति तैयार करेगा। प्रभावित परिवारों का उसी स्थान पर सम्मानजनक पुनर्वास कर मकान उपलब्ध कराया जाए। तोड़फोड़ स्थल एवं आसपास की भूमि का राजस्व ऑडिट सार्वजनिक किया जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि किन प्रभावशाली लोगों के हितों की रक्षा के लिए गरीब परिवारों के मकान तोड़े गए।

केवल पुनर्वास का नहीं संवैधानिक अधिकारों का विषय

जांच समिति के संयोजक एवं पूर्व मंत्री धनेंद्र साहू ने कहा कि नकटी प्रकरण केवल पुनर्वास का नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और संवैधानिक अधिकारों का विषय है। कांग्रेस पार्टी प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए कानूनी, राजनीतिक एवं लोकतांत्रिक सभी माध्यमों से संघर्ष जारी रखेगी। जब तक प्रत्येक प्रभावित परिवार को सम्मानपूर्वक न्याय और पुनर्वास नहीं मिल जाता, कांग्रेस उनका साथ नहीं छोड़ेगी।

आज का कार्यक्रम केवल प्रसारण नहीं बल्कि नये भारत की गर्जना

भारत आज याचक नहीं, बल्कि दाता एवं निर्माता बन रहा, पीएम का संदेश

कूंरा। धरसीवाँ विधानसभा क्षेत्र के जोरा स्थित श्री साईं मंदिर के पास आज एक गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें स्थानीय विधायक अनुज शर्मा ने कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रसिद्ध रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का 136वां संस्करण सुना। 26 जुलाई 'कारगिल विजय दिवस' का ऐतिहासिक अवसर होने के कारण पूरा कार्यक्रम राष्ट्रभक्ति के रंग में सराबोर रहा। कार्यक्रम के पश्चात मीडिया से चर्चा करते हुए विधायक अनुज शर्मा ने कहा, आज ही के दिन हमारे देश के जांबाज सपूतों ने भारत माता के मस्तक को पूरी दुनिया के सामने गर्व से ऊंचा किया था। मैं कारगिल के उन अमर शहीदों के अदम्य शौर्य, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान को सादर नमन करता हूँ। विधायक शर्मा ने प्रधानमंत्री के संबोधन को रेखांकित करते हुए आगे कहा, आज का 'मन की बात' कार्यक्रम केवल एक रेडियो प्रसारण नहीं था, यह 'नये भारत की गर्जना' थी। प्रधानमंत्री जी ने आज हमें बताया कि कैसे हमारा भारत आज 'याचक' नहीं, बल्कि 'दाता' और 'निर्माता' बन रहा है। जब समुद्र की लहरों पर INS महेंद्रगिरि सीना तानकर उतरता है, तो दुनिया भारत की नौसैन्य ताकत देखती है। जब विक्रम-1 का सफल प्रक्षेपण होता है, तो भारत अंतरिक्ष के नए आयाम रचता है। जब DRDO के वैज्ञानिक एक के बाद एक सफल परीक्षण करते हैं, तो दुश्मन की रूह कांप उठती है। जब हमारे देश के युवा और खिलाड़ी वैश्विक मंचों पर तिरंगा लहराते हैं, तो 140 करोड़ भारतीयों का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। यह आत्मनिर्भर भारत की ताकत है और प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में बदलते हुए भारत की पहचान है।/"उन्होंने राष्ट्र निर्माण में नागरिकों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि देश सिर्फ सीमाओं पर नहीं बनता, बल्कि हर नागरिक के संकल्प से बनता है। यदि देश आत्मनिर्भर हो रहा है, तो हमारी धरसीवाँ विधानसभा भी आत्मनिर्भरता और विकास की इस दौड़ में पीछे नहीं रहेगी।इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं को संकल्प दिलाया कि "हम स्वदेशी को अपनाएंगे, अपने क्षेत्र का विकास करेंगे, राष्ट्रसेवा को जीवन का प्रथम ध्येय बनाएंगे और मोदी जी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में अपना सर्वस्व योगदान देंगे।"कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी और प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

गोशाला में माता-पिता और पूर्वजों की स्मृति में किया पौधारोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के ग्राम तर्रा स्थित अग्र सेवा गोशाला में रविवार को पूर्वजों के नाम दो वृक्ष अभियान के प्रथम चरण का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, सेवा एवं पारिवारिक सहभागिता के साथ किया गया। इस अवसर पर आजीवन सदस्यों एवं दानदाता परिवारों ने अपने माता-पिता, बुजुर्गों एवं पूर्वजों की स्मृति में पौधारोपण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रत्येक पौधे पर संबंधित पूर्वजों के नाम की नामपट्टिका भी स्थापित की गई, जिससे आने वाली पीढ़ियां अपने पूर्वजों के संस्कारों, आदर्शों एवं सेवा परंपरा से प्रेरणा प्राप्त कर सकें। इस मौके पर अग्रसेवा सोसायटी के अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में वृक्ष केवल हरियाली का प्रतीक नहीं, बल्कि जीवन, सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण और सनातन परंपरा का आधार है। गोशाला परिसर में लगाए जा रहे ये वृक्ष भविष्य में गोमाताओं को शीतल छाया, स्वच्छ वायु एवं प्राकृतिक वातावरण प्रदान करेंगे। साथ ही उन्होंने सभी अग्रबंधुओं एवं समाजजनों से आग्रह किया कि वे अपने जीवन के शुभ अवसरों- जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पुण्यतिथि अथवा अन्य मांगलिक अवसरों पर परिवार सहित गौशाला आकर गोमाता की सेवा करें तथा ऐसे सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण के कार्यों से जुड़ें। इससे नई पीढ़ी में सेवा, संस्कार एवं प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा। इसी दौरान गोशाला संचालन समिति के अध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि जिन सदस्य परिवारों का पौधारोपण शेष है, उनके लिए अभियान का द्वितीय चरण अगले रविवार को आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह अभियान सेवा, संस्कार, पर्यावरण संरक्षण एवं पूर्वजों के सम्मान का एक प्रेरणादायी उदाहरण बनकर समाज को नई दिशा प्रदान करेगा।

लक्ष्य अधूरा, बांटने थे 16.35 लाख पौधे, आधा रेनी सीजन पार, केवल दो लाख ही बांट पाए

कैम्पा, विभागीय, किसान मित्र योजना के तहत बांटने हैं पौधे

पौधा वितरण में पिछड़ने का कारण देर से मानसून आना बता रहे अफसर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

इस मानसून हरियाली बिखेरने 16 लाख 35 हजार पौधे वितरण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। बारिश का आधा सीजन बीतने के बाद भी अब तक केवल दो लाख पौधों का वितरण हो पाया है। इस संबंध में जिम्मेदार अफसरों से संपर्क करने पर उन्होंने कहा कि इस बार मानसून देर से आया है, इस कारण पौधों के वितरण में विलंब हुआ है। मानसून के रफ्तार पकड़ते ही पौधे लेने वाले नर्सरी पहुंच रहे हैं। इसके अलावा जिन जगहों में पौधे पहुंचाने का काम है, वहां पौधे पहुंचाए जा रहे हैं।

अफसरों के अनुसार, निजी क्षेत्र में ज्यादातर फलदार पौधों की मांग की जाती है। फलदार में आम, आंवला, अमरूद के अलावा इस बार नीम तथा पीपल के पौधों की मांग ज्यादा है। किसान मित्र योजना के तहत अब तक एक भी पौधे का वितरण नहीं किया गया है। वीबी रामजी योजना के तहत अब तक सबसे ज्यादा वितरण किया गया है, इस योजना में 10 लाख 40 हजार पौधों का वितरण करना है, इनमें अब तक एक लाख 37 हजार से ज्यादा पौधों का वितरण किया जा जा चुका है।

इन योजनाओं के तहत बांटने हैं पौधे

- **वीबीजी रामजी योजना**- लक्ष्य 10 लाख 40 हजार- अब तक एक लाख 37 हजार 351 बांटे
- **कैम्पा योजना** - लक्ष्य एक लाख - अब तक वितरित किए गए 44 हजार 350

विभागीय योजना

- ***मिश्रित प्रजाति*** - *लक्ष्य 50 हजार- अब तक वितरण हो पाए दो हजार*
- ***साधारण बांस*** - *लक्ष्य 25 हजार हजार - अब तक वितरण नहीं हो पाए*
- ***हरियाली प्रसार*** - *लक्ष्य 50 हजार - अब तक पौधों का वितरण नहीं*
- ***20 ग्रॉफ्टेड पौधों की तैयारी*** - *लक्ष्य 20 हजार - अब तक वितरण हो पाए 1500*
- ***किसान मित्र योजना*** - *लक्ष्य 2 लाख 50 हजार - अब तक पौधों का वितरण नहीं*

गुरु पूर्णिमा पर अखंड रामचरित मानस पाठ, भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

गुरु पूर्णिमा के अवसर पर श्रावण मास अखंड रामायण पाठ समिति बूढ़ापारा द्वारा 29 जुलाई को हनुमान मंदिर सप्रे शाला परिसर से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह कार्यक्रम शाम 5.30 बजे प्रारंभ होगा। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होकर निकलेगी, जिसमें भगवान श्रीराम दरबार की आकर्षक झांकी, भगवान श्रीराम की प्रतिमा, भजन-कीर्तन मंडलियां, डीजे, 21 महिलाओं की पारंपरिक कलश यात्रा तथा धार्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समिति के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी शोभायात्रा में शामिल होकर भगवान श्रीराम और हनुमानजी के जयकारे लगाएंगे। इस धार्मिक आयोजन की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। समिति ने श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन को सफल बनाने की अपील की है। यह कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं संरक्षक मंडल के मार्गदर्शन में होगा। शोभायात्रा के समापन के बाद मंदिर परिसर में विधि-विधान के साथ अखंड श्रीरामचरित मानस पाठ प्रारंभ होगा। पूरे श्रावण मास के दौरान श्रद्धालु चौबीसों घंटे श्रीरामचरित मानस के दोहे, चौपाइयों, छंदों एवं सोरठों का श्रवण कर सकेंगे। प्रतिदिन हवन, पूजन और आरती का आयोजन भी किया जाएगा।

यह धार्मिक अनुष्ठान 28 अगस्त रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगा। समापन अवसर पर पूर्णाहुति, हवन एवं विशेष पूजा-अर्चना के साथ अखंड पाठ का विधिवत समापन किया जाएगा। आयोजन के दौरान समिति द्वारा श्रद्धालुओं एवं पाठ करने वाले पंडितों के लिए भोजन-प्रसादी की भी समुचित व्यवस्था की गई है।

राष्ट्रीय व्यापारी बैठक में हर घर तिरंगा हर दुकान तिरंगा अभियान पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भारतीय व्यापार महोत्सव में इस बार आजादी के भव्य महोत्सव की झलक नजर आएगी। हर घर तिरंगा हर दुकान तिरंगा के राष्ट्रीय अभियान को देशभर के व्याापरियों के माध्यम से चलाने पर चर्चा की गई।

कैट के राष्ट्रीय वाइस चेयमैन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड भारत सरकार के सदस्य अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंह देव, प्रदेश अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया कि नई दिल्ली में 25 जुलाई से शुरू हुई दो दिवसीय राष्ट्रीय व्यापारी बैठक में देश के विभिन्न राज्यों से आए 200 से अधिक वरिष्ठ व्यापारी नेताओं ने भाग लिया। सम्मेलन में व्यापार एवं उद्योग से जुड़े समसामयिक विषयों, देश के आर्थिक विकास में व्यापार जगत की भूमिका तथा 12 से 15 अगस्त, तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले भारतीय व्यापार महोत्सव की तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया। श्री पारवानी ने बताया कि बैठक का सबसे महत्वपूर्ण निर्णय हर घर तिरंगा, हर दुकान तिरंगा अभियान को देशभर के व्यापारियों के माध्यम से व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने का रहा। सम्मेलन से देश के समस्त व्यापारियों से आव्हान किया गया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रत्येक घर, प्रत्येक दुकान और प्रत्येक बाजार तिरंगे की शान से सजे तथा राष्ट्रभक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचे। बैठक में निर्णय लिया गया कि देशभर के बाजारों में बड़े स्तर पर तिरंगा यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। इन यात्राओं में विभिन्न सांस्कृतिक एवं देशभक्ति पर आधारित आकर्षक झांकियां भी निकाली जाएंगी। प्रत्येक व्यापारी अपने प्रतिष्ठान पर गर्व के साथ तिरंगा फहराएगा। कैट की सभी राज्य एवं जिला इकाईयों को इस अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। श्री पारवानी ने कहा कि सम्मेलन में निर्णय लिया गया कि भारतीय व्यापार महोत्सव भी देश की आजादी के भव्य उत्सव की भावना को समर्पित होगा।

कैट की नई दिल्ली में दो दिनी राष्ट्रीय व्यापारी बैठक

पेज 11 के शेष

मौसम का वायरल ...

बारिश के मौसम में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता थोड़ी कमजोर हो जाती है, वहीं मौसमी वायरस ताकतवर हो जाते हैं, जो बच्चों, अधिक आयु और कम इम्युनिटी वाले लोगों पर हमला कर उन्हें बीमार कर देते हैं। अभी बारिश और बीच में ब्रेक जैसी स्थिति बन रही है, जिसका विपरीत असर लोगों के स्वास्थ्य पर हो रहा है। पिछले एक सप्ताह में गली-मोहल्ले के क्लीनिकों के साथ सरकारी अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। रेनी सीजन में ज्यादातर जलजनित समस्याएं होती हैं, मगर बीच में होने वाले ब्रेक के दौरान बुखार, सर्दी, खांसी के साथ कमजोरी और बदन दर्द जैसी समस्या भी सामने आने लगती है। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों की समस्या कुछ इसी तरह की है, जिन्हें लक्षण के आधार पर जांच के बाद चिकित्सक दवा दे रहे हैं। आंबेडकर अस्पताल के मेडिसिन विभाग से जुड़े चिकित्सकों के मुताबिक यहां सामान्य दिनों में ओपीडी में प्रतिदिन ढाई से तीन सौ मरीज पहुंचते हैं। इनमें सौ से सवा सौ मरीज मौसमी बीमारी से संबंधित है। अच्छी बात यह है कि बुखार की समस्या ज्यादा दिनों तक परेशान नहीं कर रहा है। सामान्यतः तीन से पांच दिन की नियमित खुराक से समस्या ठीक हो जा रही है।

अनाधिकृत बैनर-पोस्टर ...

प्रतिष्ठानों, विज्ञापन एजेंसियों और आम नागरिकों से नियम का पालन करने की अपील की है। निगम के विभागीय अधिकारियों ने साफतौर पर कहा कि दुकानों पर बिना अनुमति केवल प्रतिष्ठान और संचालक का नाम ही लिखा जा सकता है। किसी भी कंपनी, ब्रांड या सेवा का प्रचार-प्रसार बिना पूर्व अनुमति के करना पूरी तरह अनाधिकृत माना जाएगा। **सप्ताहभर की दी मोहलत :** दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों से कहा गया है कि वे सूचना की तिथि से सप्ताहभर के भीतर अपनी दुकानों पर लगे सभी अनाधिकृत ब्रांडिंग एवं विज्ञापन सामग्री खुद हटा लें, अथवा नगर निगम से नियमानुसार अनुमति प्राप्त करें। अवधि समाप्त होने के बाद निरीक्षण कर सीधे 50 हजार रुपए का ई-चालान और वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अनाधिकृत होर्डिंग्स, विज्ञापनों पर न्यूनतम 1 लाख रुपए का जुर्माना तथा संबंधित अवधि का विज्ञापन शुल्क देय होगा।

पोस्टर और फ्लॉयर ...

सेलून के सामने, चंगोराभाठा बाजार चौक मंच के ऊपर, लाखेनगर चौक।

जोन 6 - आईएसबीटी गेट नंबर 3 बाउंड्रीवॉल के दोनों ओर की दीवार, रिंग रोड दुर्गा मंदिर के पास वाचनालय भवन से गार्डन एवं 100 बिस्तर अस्पताल की दीवार, भाठागांव पौनी पसारी बाजार मुख्य मार्ग की दीवार।

जोन 7 - कबीर चौक फ्लाईओवर के नीचे की दीवार पर।

जोन 8 - पौनी पसारी सब्जी मंडी शिवाजी नगर

जोन 9 - मढ़िया तालाब, गारमेंट फैक्ट्री पाम ब्लाजियो के सामने, दलदल सिवनी पानी टंकी के पास, जोरा और फुंडहर पानी टंकी परिसर।

जोन 10- जोन कार्यालय बाउंड्रीवॉल, आंगनबाड़ी, अमलीडीह गोठान।

दो साल से पेंशन ...

उनके पेंशन भुगतान आदेश जारी किए गए हैं और न ही नियमित पेंशन तथा महंगाई राहत का भुगतान हो रहा है। संघ का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन और लेखा नियंत्रक के समक्ष व्यक्तिगत तथा सामूहिक रूप से कई बार अनुरोध किया गया, लेकिन हर बार नई प्रशासनिक और विभागीय आपत्तियां लगाकर प्रकरण लंबित रखे गए। इस संबंध में राज्यपाल, मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, वित्त सचिव सहित अन्य सक्षम अधिकारियों को भी ज्ञापन और पत्र भेजे गए, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकल सका।

आयुष्मान वाले अस्पतालों के लिए एबीडीएम सॉफ्टवेयर अनिवार्य, अटकेगा इंटेंसिव, खतरे में मान्यता भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

- निजी के साथ सरकारी अस्पतालों को 30 अगस्त तक उपयोग करना अनिवार्य
- मरीजों के डेटा का डिजिटलाइजेशन एक क्लिक पर मिलेगी सारी जानकारी

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य सहायता योजना में मरीजों का इलाज करने वाले तमाम शासकीय और निजी अस्पतालों के लिए एबीडीएम सॉफ्टवेयर अनिवार्य कर दिया गया है। 30 अगस्त के बाद इस सॉफ्टवेयर का उपयोग नहीं करने वाले अस्पतालों का इंटेंसिव अटकने के साथ मान्यता भी प्रभावित हो सकती है। इस सॉफ्टवेयर के माध्यम से आयुष्मान योजना का डिजिटलाइजेशन करना और हितग्राही मरीजों का डेटा सुरक्षित रखना है।

आयुष्मान योजना में पंजीकृत अस्पताल अभी अलग सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के डिजिटल मानकों को पूरा करने के लिए आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) का उपयोग अनिवार्य किया गया है। इसके माध्यम से मरीजों का डिजिटल रिकार्ड सुरक्षित रखा जा सकेगा, जो आवश्यकता होने पर केवल आभा आईडी के आधार पर कहीं भी देखा जा सकेगा। इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करने के बाद अस्पतालों को ज्यादा रजिस्टर मेंटेंन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे उन्हें मरीजों का डेटा और क्लेम की प्रक्रिया पूरी करने में आसानी होगी।

योजना से जुड़े अधिकारियों के अनुसार सभी अस्पतालों को 30 अगस्त तक इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करना अनिवार्य किया गया है। ऐसा नहीं करने वाले एनएबीएल मान्यता प्राप्त अस्पतालों के 15 फीसदी इंटेंसिव अटकने और आयुष्मान योजना की मान्यता सूची में शामिल नाम पर भी खतरा हो सकता है। राज्य में सभी सरकारी अस्पतालों के साथ करीब 6 सौ निजी अस्पताल आयुष्मान योजना के मरीजों के इलाज के लिए पंजीकृत हैं।

Ayushman Bharat Digital Mission Building Digital Health Ecosystem

अकेले रायपुर में दो साल में 12 सौ करोड़ का इलाज

आयुष्मान स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत मरीजों का सबसे ज्यादा इलाज रायपुर जिले के सरकारी और निजी अस्पताल में होता है। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, रायपुर जिले के करीब 210 निजी अस्पताल इंपैनल्ड लिस्ट मे शामिल हैं। इन हास्पिटल्स में पिछले दो साल में करीब 1211 करोड़ के खर्च से योजना के हितग्राहियों का इलाज किया गया है। इस इलाज के एवज में अस्पतालों को 910 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है और बकाया 217 करोड़ की राशि प्रदान की जानी है।

दर्जनभर अस्पताल कर रहे प्रतीक्षा

भले ही आयुष्मान स्वास्थ्य योजना से मरीजों का इलाज करने से निजी अस्पताल इंकार करते हों, मगर उनकी निर्भरता इसी योजना के मरीजों पर बनी रहती है। खुलने वाले नए और पुराने अस्पताल मान्यता सूची में शामिल होने विभागीय अधिकारियों की अनुमति का इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में रायपुर जिले में तीन बड़े हास्पिटलों को सूचीबद्ध किया गया है, वहीं पिछले दिनों योजना के हितग्राही के इलाज में नियम का पालन नहीं करने के मामले में एक अस्पताल को तीन माह के लिए योजना से निलंबित किया गया है।

खबर संक्षेप

गुजराती ब्रह्म समाज ने बच्चों को बांटी छात्रवृत्ति

रायपुर। गुजराती ब्रह्म समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार के बच्चों को समाज द्वारा पिछले 35 वर्षों से लगातार छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है। इसी कड़ी में इस वर्ष भी समाज के 15 बच्चों को 1 लाख 28 हजार 850 रुपए की राशि वितरित की गई। श्री गुजराती ब्रह्म समाज के उपाध्यक्ष हितेश व्यास की अध्यक्षता में संरक्षक ललित भाई जोशी, राकेश भाई दवे की उपस्थिति में समाज के प्रतिष्ठित सदस्य रामानुज पुरोहित, विजय दवे, रमेश पांड्या एवं योगेश दवे के मुख्य आतिथ्य में राशि वितरित की गई। इस मौके पर रामानुज पुरोहित ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज द्वारा अपनी जिम्मेदारी पूरी की जा रही है तथा समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के बच्चों को आर्थिक मदद दी जा रही है, किंतु बच्चों एवं उनके माता-पिता की भी जिम्मेदारी है कि आगे की पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित कर और भी अच्छा परिणाम लाने की चेष्टा करें। समाज के सबसे वरिष्ठ पदाधिकारी रहे विजय दवे ने समाज की वर्तमान कार्यकारिणी की प्रशंसा की।

अर्पण दिव्यांग स्कूल में बच्चों को दीं गणवेश और किताबें

रायपुर। अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल में रविवार को बच्चों को गणवेश एवं कॉपी-किताबें वितरित की गईं। इस मौके पर मुख्य अतिथि कांग्रेस अध्यक्ष श्रीकुमार मेनन ने कहा कि बच्चों के लिए पढ़ाई के साथ-साथ उससे ज्यादा आवश्यकता स्किल डेवलपमेंट की है, ताकि बच्चे मल्टी टेलेंटेड हों और अपनी आत्मनिर्भरता के साथ काम कर सकें। उन्होंने कहा कि ईश्वरीय शक्ति के चलते ये बच्चे किसी बात को सामान्य बच्चों से जल्द कैच करने में पारंगत होते हैं। संस्था के अध्यक्ष प्रकाश शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में समाजसेवी आकाश धावना एवं प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर सौरभ जैन, आकाश धावना, शेखर जैन, डायरेक्टर डॉ. राकेश पांडे, सीमा छाबड़ा, प्राचार्य कमलेश शुक्ला, दिनेश शुक्ला, धनंजय त्रिपाठी, वीरेंद्र शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

वार्ड में ही बिना किसी दिक्कत के बुजुर्गों, दिव्यांगों और महिलाओं को सुगमता से मिलेगी पेंशन

निगम के पेंशनरों को बड़ी राहत, अब हर माह अपने वार्ड में ही ले सकेंगे पेंशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हरिभूमि सरोकार

रायपुर निगम सीमा क्षेत्र के 22 हजार से अधिक पेंशनरों के लिए राहत भरी खबर है। नगर निगम जल्द ही शहर के 70 वार्डों में बुजुर्ग, उम्रदराज महिलाओं, निराश्रित और दिव्यांग पेंशनरों को उनके ही वार्ड में बिना किसी दिक्कत के हर महीने पेंशन वितरण की नई व्यवस्था करेगा। इसके लिए संबंधित वार्ड के जनप्रतिनिधि की सहमति से बैंक कॉरस्पांडेंट नियुक्त किए जाएंगे।

रायपुर से अधिकृत आईडीबीआई बैंक जल्द ही पेंशन वितरण की नई व्यवस्था बनाने जा रहा है, जिसमें निगम के पेंशनरों को उनकी सुविधा अनुसार हर महीने पेंशन बैंक कॉरस्पांडेंट के जरिए मिल सकेगी। कुल मिलाकर ये बैंक कॉरस्पांडेंट छोटे बैंक की तरह निगम के पंजीकृत पेंशनरों की केवाईसी कराने, उनके खाते से राशि विड्रॉल करने में मदद करने और संबंधित पेंशनरों के लिए साल के अंत में जरूरत पड़ने वाले लाइफ सर्टिफिकेट बनवाने के काम में भी उनकी सहायता करेंगे।

हर वार्ड में बैंक कॉरस्पांडेंट, जनप्रतिनिधियों से मांगे एक-एक नाम

सूत्रों के मुताबिक नगर निगम के दस जोन स्थित 70 वार्डों में रहने वाले शासन की विभिन्न योजनाओं के पेंशनरों के लिए वार्ड स्तर पर ही पेंशन वितरण की सुविधा मुहैया कराने हर वार्ड में एक बीसी यानी बैंक कॉरस्पांडेंट नियुक्त किया जाएगा। इसके लिए वार्ड पार्षदों से एक-एक नाम मांगे गए हैं। निगम मुख्यालय के पेंशन एवं राजस्व शाखा के पास इनकी सूची उपलब्ध होने के बाद चुने हुए बीसी को कार्य से संबंधित निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण महापौर और निगम आयुक्त के निर्देश पर निगम मुख्यालय के सभागार में आईडीबीआई बैंक के संबंधित अधिकारी और निगम के पेंशन व राजस्व विभाग के अधिकारियों के मार्गदर्शन में दिया जाएगा।

70 वार्डों में जनप्रतिनिधि की सहमति से नियुक्त किए जाएंगे बैंक कॉरस्पांडेंट

निगम से अधिकृत आईडीबीआई के अधिकारी उपलब्ध कराएंगे जनहित में सुविधा

पेंशन वितरण की करेंगे व्यवस्था

नगर निगम के पेंशनरों को पेंशन वितरण में आसानी हो, इसके लिए 70 वार्डों में बीसी तय कर उन्हें इस कार्य की ट्रेनिंग देकर दक्ष बनाया जाएगा। शुरुआत में पेंशनरों के लिए दोनों तरह का विकल्प रहेगा, जिसमें पहले की तरह वार्ड में पेंशन वितरण शिविर और दूसरी नई व्यवस्था के तहत बैंक कॉरस्पांडेंट के माध्यम से पेंशन वितरित की जाएगी। इस कार्य में निगम से अधिकृत बैंक के संबंधित अधिकारियों से भी चर्चा हो चुकी है।

- **डॉ. अंजलि शर्मा**, उपायुक्त, राजस्व एवं पेंशन शाखा, ननि रायपुर।

सभापति का व्यू

पार्षदों से मांगे नाम, देंगे ट्रेनिंग

निगम के पेंशनरों को पेंशन वितरण में आसानी हो, इसके लिए निगम से अधिकृत आईडीबीआई बैंक के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर के 70 वार्डों में बैंक करेसपांडेंट के माध्यम से पेंशन वितरण की व्यवस्था बनाई जाए। बैंक कॉरस्पांडेंट के लिए पार्षदों से एक-एक नाम उनके वार्ड से मांगे गए हैं। सूची आने के बाद नाम तय कर निगम के पेंशन विभाग, संबंधित बैंक वालों के साथ इन्हें इनके कार्य के संबंध में निगम मुख्यालय के सभागार में प्रशिक्षण दिया जाएगा। सभी जोन अध्यक्षों की इस संबंध में बैठक भी ली गई है।

- **सूर्यकांत राठौर**, सभापति, ननि रायपुर।

महीने में कभी भी सुविधानुसार ले सकेंगे पेंशन

केंद्र व राज्य शासन की 7 अलग-अलग योजनाओं के तहत पात्र हितग्राहियों को उनकी मासिक पेंशन की राशि उनके वार्ड में हर माह निगम से अधिकृत बैंक के अधिकारियों द्वारा निर्धारित तारीख में 2 से 3 दिन शिविर लगाकर वितरित की जाती है। दिक्कत ये है कि पेंशनर निर्धारित तारीख के दिन शिविर स्थल पर पेंशन लेने नहीं पहुंच सके या किसी काम से बाहर गए हों तो उन्हें पेंशन लेने में दिक्कत आती है। इसी तरह शिविर वाले दिन शासकीय अवकाश होने पर वार्ड में लगने वाले पेंशन वितरण शिविर के तारीख में बदलाव की जानकारी समय पर पेंशनरों को नहीं मिल पाती है। उन्हें कभी जोन दफ्तर, कभी पार्षद कार्यालय या फिर निगम मुख्यालय में जाकर भटकना पड़ जाता है, पर नई व्यवस्था में ऐसा नहीं होगा। पेंशनर अपनी सहूलियत अनुसार महीने में शासकीय अवकाश के दिन छोड़कर किसी भी दिन वार्ड में अधिकृत बैंक कॉरस्पांडेंट के पास जाकर मासिक पेंशन प्राप्त कर सकेगा।

सहायक शिक्षकों के 2300 रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर धरना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थियों का प्रदर्शन
- क्रमिक आंदोलन का 215वां दिन

छत्तीसगढ़ डीएड संघ के आव्हान पर प्रदेशभर के डीएड प्रशिक्षित अभ्यर्थी सहायक शिक्षकों के 2300 रिक्त पदों पर तत्काल नियुक्त किए जाने की मांग को लेकर नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर आंदोलन किया जा रहा है।

इनका कहना है कि 24 दिसंबर 2025 से वे लगातार अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं, इसके बाद भी शासन-प्रशासन उनकी सुध नहीं ले रहा है। अपनी लंबित मांग के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने वे क्रमिक आंदोलन कर रहे हैं। धरना-प्रदर्शन कर रहे डीएड अभ्यर्थियों ने प्रदेश में शिक्षक भर्ती के 2300 रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर 17 जुलाई को तूता धरनास्थल से छत्तीसगढ़ विधानसभा की ओर कूच करके दंडवत प्रणाम यात्रा भी निकाली, पर पुलिस प्रशासन ने इन्हें बीच रास्ते में ही रोक दिया। उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों का पालन कराने डीएड अभ्यर्थी तूता धरनास्थल पर डटे हुए हैं।

30 को दिल्ली जाएगा प्रतिनिधिमंडल

धरना प्रदर्शन में शामिल डीएड अभ्यर्थी संजय कुमार ने बताया कि 30 जुलाई को डीएड अभ्यर्थी प्रतिनिधिमंडल नई दिल्ली जाकर जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शना का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके से मुलाकात कर उन्हें छत्तीसगढ़ की राजधानी में डीएड अभ्यर्थियों के आंदोलन का समर्थन देने का आग्रह करेगा। साथ ही उन्हें नवा रायपुर के तूता धरनास्थल पर डीएड संघ के आंदोलन में अभ्यर्थियों के हौसला-अफजाई करने आमंत्रित करेगा। आंदोलकारी पिछले 215 दिनों से तूता धरनास्थल पर अपने हक की आवाज बुलंद करने डटे हुए हैं। दूरदराज से आए डीएड अभ्यर्थी धरनास्थल परिसर में ही अपनी रसोई खुद बनाकर आंदोलन जारी रखे हुए हैं।

बस यात्रा का किराया बढ़ाने की मांग, 3 अगस्त को प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के बस स्टैंड पर धरना-प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने लिया निर्णय

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने डीजल-पेट्रोल की दामों में बढ़ोतरी के बावजूद पिछले 5 साल में बसों का यात्री किराया नहीं बढ़ाने को लेकर नाराजगी जताई है। अब साधारण बसों के किराए में 75 फीसदी और डीलक्स बसों के यात्री किराया में 30 फीसदी बढ़ोतरी की मांग की गई है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सईद अनसर अली ने कहा कि राजधानी सहित प्रदेशभर के सभी जिला मुख्यालयों के बस स्टैंड में 3 अगस्त को धरना दिया जाएगा। इसके लिए हमने प्रदेश के सभी जिलों के जिला अध्यक्षों को पत्र भेजकर संबंधित जिला कलेक्टर और एसपी को ज्ञापन सौंपकर अपने मांगों से अवगत करा दिया है। एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन के बाद भी यदि 14 अगस्त तक यात्री किराया में बढ़ोतरी नहीं की गई तो छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ एक निश्चित तारीख तय कर पूरे छत्तीसगढ़ में बस संचालन अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का कदम उठाने बाध्य होगा, जिससे आम जनता को होने वाली परेशानी के लिए राज्य शासन उत्तरदायी होगा।

मेंटेनेंस समेत कई खर्चों में बढ़ोतरी

दरअसल प्रदेश शासन द्वारा साल 2021 के बाद से यात्री बसों के किराए में बढ़ोतरी नहीं किए जाने से प्रदेशभर के बस संचालक नाराज हैं। उनका कहना है कि यात्री बसों के मूल्य, टायर व बीमा राशि और मरम्मत खर्च सहित स्पेयर पार्ट की कीमतों में भारी वृद्धि हो चुकी है। पेट्रोल और डीजल के किराए में बढ़ोतरी के बाद भी बसों का यात्री किराया अब तक नहीं बढ़ाया गया है। इसी बात को लेकर छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने सामान्य बसों में किराया 50 फीसदी और डीलक्स बसों में 30 फीसदी बढ़ाने की मांग की है। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सईद अनवर अली बताया कि बीते वर्ष मार्च में प्रदेश सरकार की अधिसूचना में बसों के किराए भूलवश 25 फीसदी की कमी कर दी गई थी।

डीजल-पेट्रोल के दाम बढ़ने से दिक्कत

छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष सईद अनवर अली ने मांग की है कि पुराना जो 25 फीसदी किराया कम किया गया था, वो और नया, पेट्रोल-डीजल की कीमत बढ़ने के के साथ बसों की कीमत बढ़ने के कारण हो रही परेशानी को देखते हुए सामान्य बसों के यात्री किराए में 50 फीसदी की बढ़ोतरी, इस तरह कुल 75 फीसदी किराया वृद्धि तथा डीलक्स बसों के यात्री किराए में 30 फीसदी वृद्धि करने की मांग की है। बसों में यात्री किराया बढ़ाने की मांग करते हुए राजधानी रायपुर के आईएसबीटी और प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों के बस स्टैंड पर 3 अगस्त को बस संचालक धरना-प्रदर्शन कर अपने हक की आवाज बुलंद करेंगे।

जालसाजों ने ठगी के पैसों से खरीदा सोना, कारोबारी का अकाउंट ब्लॉक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- जालसाजों की करतूत से कारोबारी को दो लाख का नुकसान
- टिकरापारा थाना क्षेत्र का सराफा कारोबारी ठगी का शिकार

ठगी करने वालों ने शातिराना तरीके से एक सराफा कारोबारी को ठगी का शिकार बनाया है। जालसाजों ने पहले कारोबारी की दुकान से एक लाख रुपए का सोने का सिक्का तथा सोने का टुकड़ा खरीदा। भुगतान होने के दो दिन बाद कारोबारी को बता चला कि जिन लोगों ने उन्हें ऑनलाइन पेमेंट किया है, उस पेमेंट की वजह से उनकी रकम होल्ड हो गई है और अकाउंट ब्लॉक हो गया है। घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र की है। संजय नगर में अजय ज्वेलर्स के नाम से ज्वेलरी शॉप संचालित करने वाले अजय सोनी ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। कारोबारी ने पुलिस को बताया कि दो स्कूटी सवार युवक उनकी दुकान पर आए। उन्होंने छह ग्राम सोने का सिक्का खरीदने की बात की। कारोबारी के पास पांच ग्राम सोने का सिक्का था। युवकों ने कारोबारी के पास से पांच ग्राम सोने की सिक्का खरीदने के बाद अलग से 1.6 ग्राम सोने का टुकड़ा खरीदा। दोनों का अलग-अलग ऑनलाइन भुगतान करने के कुछ देर बाद युवक वापस लौटे और सोने का टुकड़ा वापस कर दिए। फिर रकम वापस अपने अकाउंट में ट्रांसफर कराकर लौट गए। कारोबारी के अकाउंट में जिस यूपीआई से पेमेंट किया गया था। वह जगदम्बा टीसी के नाम से था।

तीन दिन बाद कॉल कर कहा- साढ़े तीन लाख ट्रांसफर हो गए

कारोबारी ने पुलिस को बताया कि जो लड़के सोने की बिस्किट खरीदकर ले गए थे। उनके एक आदमी ने तीन दिन बाद 20 जुलाई को कारोबारी को कॉल कर कहा कि उनके अकाउंट में उनके लड़कों ने साढ़े तीन लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए हैं। कारोबारी ने अपना अकाउंट चेक किया तो भुगतान की गई राशि में से 21 हजार रुपए और माइनस हो गए थे। बैंक जाकर पता करने पर कारोबारी को पता चला कि उनके अकाउंट में जो राशि आई है, उसे होल्ड कर दिया गया है। कारोबारी ने अपने यहां लगे सीसीटीवी कैमरे से लड़कों के बारे में जानकारी जुटाई तो उन्हें पता चला है कि जिन लड़कों ने उनके साथ ठगी की है, उनका नाम साहिल और आयुष साहू है।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
हरिभूमि समाचार पत्र को सर्वे कार्य हेतु 20 युवक एवं युवतियों की आवश्यकता है, जिसके पास स्वयं का वाहन हो, इच्छुक व्यक्ति संपूर्ण बायोडाटा के साथ तुरंत संपर्क करें।

योग्यता : 10वीं, 12वीं, स्नातक
वेतन 10,000 +
Resume Whatsapp करें
9827555678, 8370049468
ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं।
cir.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 27 जुलाई 2026
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

महादेवघाट पर सावन मेले की सजीं ....

सिटी लाइव

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस पर राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक आवेदन

रायपुर। 3 दिसम्बर को अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के अवसर पर दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। उप संचालक, समाज कल्याण कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकन एवं आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं भारत सरकार के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल www.awards.gov.in पर निर्धारित श्रेणियों में ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नामांकन एवं आवेदन की प्रक्रिया 15 मई से प्रारंभ हो चुकी है। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। समाज कल्याण विभाग ने दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पात्र व्यक्तियों एवं संस्थाओं से निर्धारित समयावधि में आवेदन करने की अपील की है। साथ ही संबंधित विभागों एवं स्वेच्छिक संस्थाओं को भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए मंगाए गए आवेदन

कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले किसानों को सम्मानित करने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा प्रदत्त डॉ. खूबचंद बघेल कृषक रत्न पुरस्कार के लिए वर्ष 2026 के लिए कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक कृषक 31 जुलाई तक आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरस्कार के लिए आवेदन पत्र उप संचालक कृषि कार्यालय तथा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से नि:शुल्क प्राप्त किए जा सकते हैं। निर्धारित प्रपत्र में पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन पत्र संबंधित कार्यालय में अंतिम तिथि तक जमा किए जा सकते हैं। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के अंतर्गत चयनित कृषक को 2 लाख रुपए की सम्मान राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार के लिए वही कृषक पात्र होंगे जो पिछले 10 वर्षों से छत्तीसगढ़ में कृषि कार्य कर रहे हों, राज्य के मूल निवासी हों तथा उनकी कुल वार्षिक आय का कम से कम 75 प्रतिशत भाग कृषि से प्राप्त होता हो। साथ ही, आवेदक पर तकाबी, सिंचाई शुल्क अथवा सहकारी बैंक का कालातीत ऋण नहीं होना चाहिए। कृषकों का चयन फसल विविधीकरण, उत्पादकता वृद्धि के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत कृषि तकनीक के प्रचार-प्रसार, अन्य किसानों को प्रेरित करने, विगत तीन वर्षों की उत्पादकता, कृषि एवं सहयोगी क्षेत्रों में नवाचार, समन्वित कृषि प्रणाली, भूमि एवं जल संरक्षण, कृषि संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा कृषि विपणन में योगदान जैसे विभिन्न मापदण्डों के आधार पर किया जाएगा।

देवशयनी के बीच मांगलिक आयोजनों पर विराम, लेकिन इवेंट ऑर्गेनाइजर्स के पास कम नहीं हुई बुकिंग

थीम बेस्ड बर्थडे पार्टी, कॉर्पोरेट इवेंट और फैशन का रंग बिखेरने के लिए ऑर्गेनाइजर्स के पास 530 ऑडर्स

'देवशयनी शुरू होने से विवाह, मुंडन और गृह प्रवेश जैसे मांगलिक काम वर्जित हैं। इसे देखते हुए शहर के इवेंट ऑर्गेनाइज्जर्स बड़े कॉर्पोरेट इवेंट्स, सामाजिक-सांस्कृतिक उत्सवों और धार्मिक आयोजनों की ओर शिफ्ट होने लगे हैं। शादियों का सीजन नहीं होने के बावजूद अपने बिजनेस से लोगों को कनेक्ट करने के लिए मुख्य रूप से आयोजनों को मैनेज करने लगे हैं। थीम बेस्ड सेलिब्रेशन के लिए बड़ी सोसायटी से जुड़े क्लब, कॉर्पोरेट इवेंट और फैशन में रंग बिखेरने के लिए इवेंट ऑर्गनाइजर्स के पास 530 ऑडर्स हैं।'

रायपुर। इवेंट एंड एंटरटेनमेंट मैनेजमेंट से जुड़े संस्था के अध्यक्ष नवल तिवारी ने बताया कि समय के साथ शहर में सोसायटी और कॉर्पोरेट सेक्टर की दखल बढ़ने से कॉर्पोरेट इवेंट के लिए लोग इवेंट प्लानर्स की मदद लेने लगे हैं। इसमें जिस तरह के प्रोग्राम और थीम बताया जाता है, उस लिहाज से टीवी एक्टर्स और फैशन से जुड़ी सेलिब्रिटी को भी बुलाने तालमेल बनाना पड़ता है। इसलिए बिजनेस प्रोग्राम से लेकर बर्थडे, फैशन शो, सालगिरह, रक्षाबंधन, 15 अगस्त, जन्माष्टमी और गणेश उत्सव को यादगार बनाने अब थीम तय करते हैं। इस तरह के 250 छोटे-बड़े इवेंट प्लानर्स अभी काम कर रहे हैं। शादी-सगाई और प्री-वेडिंग सहित मांगलिक आयोजनों पर विराम लगने के बाद भी प्रति इवेंट प्लानर्स के पास 10 से 12 इवेंट के ऑडर्स हैं। सभी एक-दूसरे से कनेक्ट होते हैं, इसलिए डिमांड कायम है।

कमर्शियल एग्जीबिशन भी इवेंट प्लान का हिस्सा

जुलाई से अक्टूबर के बीच सबसे ज्यादा ब्यूटी कॉन्ट्रेस्ट होते हैं। इवेंट ऑर्गनाइजर्स बताते हैं कि सावन सुंदरी और महिलाओं के लिए सावन थीम बेस्ड 'सावन क्वीन' प्रतियोगिताएं, किटी पार्टीज और पारंपरिक त्योहार तीजा-पोला पर बड़े सांस्कृतिक कार्यक्रमों के भी बुकिंग मिलने लगे हैं। लाइफ स्टाइल और राखी एग्जीबिशन के लिए आने वाले फेस्टिव सीजन को देखते हुए बड़े होटलों, मैरिज हॉल्स में कपड़ों, ज्वेलरी और होम डेकोर के कमर्शियल एग्जीबिशन को भी लोग इवेंट प्लान का हिस्सा बनाने लगे हैं। इसमें सेलिब्रिटी को जगमगाते स्टेज तक लाने का दायित्व निभाते हैं। इस तरह का प्रोग्राम करने अभी कई संस्थाओं से संवाद चल रहा है। थीम बेस्ड बर्थडे और एनिवर्सरी पार्टी के लिए इनडोर गेम जोन, बैलून डेकोरेशन और कस्टमाइज्ड कैटरिंग सर्विसेज मैनेज किया जाता है।

एनुअल मीटिंग्स को आकर्षक बनाने मिल रही बुकिंग

उन्होंने बताया कि कॉर्पोरेट इवेंट्स और सेमिनार का क्रम सबसे ज्यादा चार महीने चलता है। शादियों की बुकिंग नहीं होने से होटल और रिसॉर्ट्स खाली होते हैं। इसका फायदा उठाते हुए ऑर्गनाइजर्स कॉर्पोरेट क्लाइंट्स को टारगेट करने के लिए मीट और प्रोडक्ट लॉन्च भी करते हैं। ऑटोमोबाइल, रियल एस्टेट और रिटेल ब्रांड्स के लिए नई स्कीम्स या प्रोडक्ट्स को लॉन्च करने के लिए कॉन्फ्रेंस आयोजित करने से लेकर अवॉर्ड सेरेमनी और एनुअल मीटिंग्स को आकर्षक बनाने के लिए कंपनियों से बुकिंग मिल रही हैं। तिमाही या छमाही प्रोग्रेस को सेलिब्रेट करने के लिए सेरेमनी और एम्प्लोयी एंगेजमेंट प्रोग्राम का चलन बढ़ने से पूछ-परख कायम है। त्योहारी सीजन में कई पारंपरिक और कम्युनिटी इवेंट्स को सोसायटी के लोग प्लान करते हैं।

धार्मिक आयोजन को थीम बेस्ड बनाने का चलन

इवेंट प्लानर चैतन्य, काजल वर्मा और यश अग्रवाल ने बताया कि धार्मिक एवं आध्यात्मिक आयोजन चातुर्मास में होते हैं। भक्ति और साधना का समय होता है, इसलिए शहर में इवेंट वेन्यू और भवनों में बड़े पैमाने पर धार्मिक इवेंट्स होते हैं। संतों का मंगल प्रवेश और प्रवचन सभाएं। जैन मुनियों और हिंदू संतों के नगर आगमन, कलश स्थापना और रोजाना होने वाले प्रवचनों के लिए भव्य मंच, साउंड सिस्टम और वाटरप्रूफ पंडाल तैयार करने के लिए बुकिंग हैं। भजन संध्या और माता की चौकी, सावन और भादों के महीनों में बड़े स्तर पर संगीतमय भजन संध्या, जगराते और कांवड़ यात्रियों के स्वागत समारोहों का मैनेजमेंट इवेंट प्लानर्स को मिलने लगा है। गणेश चतुर्थी के दौरान विशाल पंडाल व झांकियों की सजावट का काम सबसे ज्यादा बड़ी समितियो से मिलते हैं।

सिटी इवेंट

अदम्य साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति से वीर जवानों ने लिखी कारगिल विजय की दास्तां

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा कारगिल विजय दिवस गर्व के साथ मनाया गया। यह आयोजन विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ, अधिष्ठाता छात्र कल्याण द्वारा कारगिल विजय दिवस के अवसर पर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन रविवार को कृषि महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से राष्ट्रीय सेवा योजना के लगभग 80 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कारगिल युद्ध के वीर योद्धा एवं पूर्व सैनिक सुबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा रहे। सुबेदार मेजर श्री शर्मा ने कारगिल युद्ध के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि भारतीय सैनिकों ने अत्यंत विषम एवं दुर्गम परिस्थितियों में अदम्य साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति का परिचय देते हुए शत्रुओं का डटकर सामना किया और इतिहास के पन्नों पर कारगिल विजय दिवस की दास्तां लिख डाला।

विद्यार्थियों में हो राष्ट्रप्रेम अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा

कार्यक्रम में पूर्व सैनिक सुबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा ने युद्ध के दौरान अनेक वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान एवं घायल जवानों के साहस का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्रप्रेम, अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा को अपने जीवन का आधार बनाने का आह्वान किया। छात्र-छात्राओं ने भी मुख्य अतिथि से संवाद कर उनके अनुभवों से प्रेरणा प्राप्त की। कार्यक्रम में उपस्थित सभी छात्र-छात्राओं एवं स्वयंसेवकों को देश की संप्रभुता, एकता एवं अखंडता की रक्षा के लिए राष्ट्रीय संकल्प शपथ अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा द्वारा दिलाई गई।

अमर शहीदों के त्याग को किया नमन

इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रभक्ति का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान कारगिल युद्ध सहित देश की रक्षा में अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले सभी अमर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए दो मिनट का मौन रखा गया। उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों, छात्र-छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने मौन रहकर वीर शहीदों के प्रति अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके त्याग एवं बलिदान को नमन किया।

एआई तकनीक पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी टेकनोवा में सजे 75 मॉडल्स

रायपुर। चारों ओर आधुनिक तकनीक पर आधारित मॉडल, प्रोजेक्ट और विद्यार्थियों का उत्साह देखने लायक था। सिविल लाइन स्थित होली हार्ट्स स्कूल में आईटी प्रदर्शनी टेकनोवा 2026 में विद्यार्थियों ने मॉडल और प्रोजेक्ट सजाए, जो आकर्षण का केंद्र बने। अभिभावकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों को सराहा। प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. हार्दिक ठक्कर (एसोसिएट प्रोफेसर, एसएसआईपीएमटी) ने किया। उन्होंने सभी मॉडल को देखने के बाद विद्यार्थियों की तकनीकी दक्षता, आत्मविश्वास, रचनात्मकता, नवाचार के लिए प्रशंसा की। प्रदर्शनी में कक्षा 6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए 75 तकनीक आधारित मॉडल, प्रोजेक्ट प्रदर्शित किए गए। इनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, वेब डेवलपमेंट, रोबोटिक्स, कोडिंग, ऑटोमेशन, साइबर सुरक्षा तथा अन्य उभरती हुई तकनीक पर आधारित मॉडल और परियोजनाएं शामिल थीं।

समस्या और समाधान कौशल का प्रदर्शन किया

विद्यार्थियों ने प्रोजेक्ट्स के माध्यम से तकनीकी ज्ञान, रचनात्मकता और समस्या-समाधान कौशल का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी का सबसे आकर्षक एवं उत्कृष्ट प्रोजेक्ट सार्थक अग्रवाल, समर्थ अग्रवाल एवं पलाश द्वारा प्रस्तुत एआई आधारित शतरंज था। इस परियोजना में कृत्रिम बुद्धिमत्ता द्वारा चालों का विश्लेषण एवं बुद्धिमत्तापूर्ण गेमप्ले का प्रभावशाली प्रदर्शन किया गया। कक्षा 11-ए की छात्रा आयुषी ओझा ने पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या पर आधारित वेबसाइट प्रस्तुत करते हुए डिजिटल सुरक्षा पर प्रकाश डाला।

समाज से परिवार तक पहुंचने का संकल्प संस्कारवान-सशक्त परिवार निर्माण पर जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ द्वारा समाज से परिवार तक विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। रविवार को प्रदेश स्तरी कार्याशाला का आयोजन टिकारापारा स्थित भामाशाह छात्रावास में किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निरेन्द्र साहू ने की। कार्यशाला में समाज की वास्तविक मजबूती के लिए संगठन की पहुंच प्रदेश से जिला, जिला से तहसील, तहसील से परिक्षेत्र, गांव से परिवार और परिवार से प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने की दिशा में प्रभावी रूप से कार्य करने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में गर्भ संस्कार, जन्म संस्कार, शिक्षा संस्कार एवं विवाह संस्कार सहित जीवन के विभिन्न संस्कारों को परिवार और समाज की सामाजिक व्यवस्था से जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया।

सामाजिक विकास की दिशा में एकजुट होकर करें कार्य

कार्यशाला में एक पदाधिकारी-कुछ परिवार की जिम्मेदारी तय करने पर भी जोर दिया गया, ताकि प्रत्येक पदाधिकारी अपने क्षेत्र के परिवारों से नियमित संपर्क करें, उनकी समस्याओं को समझें और जरूरत के समय उनके साथ मजबूती से खड़ा हो। कार्यशाला का उद्देश्य समाज को सशक्त, संस्कारवान, संगठित एवं संवेदनशील बनाते हुए प्रत्येक परिवार को संगठन से जोड़ना और सामाजिक विकास की दिशा में एकजुट होकर कार्य करना रहा।

भाई की कलाई पर प्यार, धरती मां को उपहार की थीम पर बीज, रेशम, सूती धागे, बांस से बना रहीं आकर्षक राखियां

कार्नर न्यूज

महिला समूह की दीदियां रक्षाबंधन के लिए इको फ्रेंडली हस्तनिर्मित राखियां तैयार करने में जुटीं

रायपुर। प्रदेश में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिला समूह की दीदियां रक्षाबंधन के लिए इको-फ्रेंडली हस्तनिर्मित राखियां तैयार करने में जुटी हैं। राजधानी से लेकर लगभग सभी जिलों में महिलाएं भाई-बहनों के पवित्र प्यार और विश्वास के बंधन को पर्यावरण संरक्षण से जोड़कर खास बनाने की पहल कर रही हैं। रायपुर (राखी) गांव के बिहान की स्वसहायता समूह की दीदियां धान, मक्का, करेला, सेम, और बरबटी जैसे देसी बीजों के अलावा रेशम, सूती धागे, बांस व लकड़ी का उपयोग कर इको-फ्रेंडली हस्तनिर्मित आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। समूह की दीदियों ने बताया कि समूह के सदस्यों ने इस बार रक्षाबंधन पर थीम बेस्ड राखियां बनाने का निर्णय किया। इसके तहत भाई की कलाई पर प्यार, धरती मां को उपहार की थीम पर आधारित ईको-फ्रेंडली राखियां तैयार कर रहे हैं। इस पहल से स्व-सहायता समूह की दीदियां जहां एक ओर वोकल फॉर लोकल अभियान को आगे बढ़ा रही हैं, वहीं गांवों में महिलाएं सशक्तीकरण की मिसाल बन रही हैं। समूह की सदस्य रमशिला साहू ने बताया कि इससे उनकी आमदनी का एक और माध्यम बना है। इससे उनके समूह की सभी सदस्यों को आर्थिक रूप से मजबूती मिली है। हमारी समूह साल भर सीजनल तीज-त्योहारों से लेकर राखियां, गुलाल, छत्तीसगढ़ी पारंपरिक पकवान, आचार, पापड़, मसाले आदि का उत्पादन व विक्रय कर आत्मनिर्भरता और रोजगार का नया आयाम गढ़ रही हैं।

ऑनलाइन और स्थानीय बाजार में उतारेंगी राखियां

समूह की दीदियां रक्षाबंधन के लिए तैयार कर रही अपनी इको-फ्रेंडली हस्तनिर्मित राखियों को स्थानीय बाजारों के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध कराने की तैयारी में हैं। इन राखियों की कीमत भी सस्ती रखी हैं। समूह की महिलाओं ने बताया कि 20 रुपए से 100 रुपए तक की राखियों की कीमत रखी गई हैं। इसे राजधानी सहित आसपास के स्थानीय बाजारों व दुकानों में सेल किया जाएगा। इसके अलावा ऑनलाइन प्लेटफार्म से भी बेचा जाएगा।

राखियों में ग्रामीण संस्कृति, परंपरा एवं सृजनात्मकता की झलक

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी स्वयं सहायता समूह की महिलाएं स्थानीय बाजारों, मेलों व विभिन्न विक्रय केंद्रों के माध्यम से अपनी हस्तनिर्मित राखियों का विक्रय करेंगी। पर्यावरण अनुकूल सामग्रियों से पारंपरिक, आधुनिक, बच्चों एवं बड़ों के लिए थीम आधारित विभिन्न प्रकार की आकर्षक राखियां तैयार कर रही हैं। इन राखियों में ग्रामीण संस्कृति, परंपरा एवं महिलाओं की सृजनात्मकता की झलक देखने को मिलती है।

समाज लाइव

स्वाभिमान और उद्यमशीलता की मिसाल है सिंधी समाज

रायपुर। पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत द्वारा मुखी संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम में पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत की 128 पंचायतें शामिल हुईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमेन डेका ने शिरकत की। राज्यपाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि सिंधी समाज स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का जीवंत प्रतीक है। देश के विभाजन की विभीषिका और विस्थापन की पीड़ा सहने के बावजूद इस समाज ने अपने परिश्रम और दृढ़ संकल्प से न केवल स्वयं को पुनः स्थापित किया, बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाई है। विभाजन के समय अपनी मातृभूमि, संपत्ति और सांस्कृतिक धरोहरों को छोड़कर आए सिंधी समाज ने उस असीम वेदना को अपनी शक्ति बनाया। कठिन परिस्थितियों के बावजूद समाज ने अपनी संस्कृति और परंपराओं को सहेजते हुए व्यापार, उद्योग, शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय मुकाम हासिल किया है।

युवा पीढ़ी को भाषा और संस्कृति से जोड़ने का आव्हान

राज्यपाल ने समाज के प्रतिनिधियों से आह्वान किया कि वे सिंधी भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए एकजुट होकर प्रयास करें। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने तथा महिला विंग के माध्यम से महिलाओं को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी, प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए पंचायतों के मुखी, प्रतिनिधि, महिला विंग के सदस्य तथा बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

रेबीज-मुक्त भारत के संकल्प के साथ 15 अगस्त को निशुल्क टीकाकरण अभियान

रायपुर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शहर में रेबीज के प्रति जागरूकता बढ़ाने और इससे बचाव के उद्देश्य से 15 अगस्त को निशुल्क एंटी-रेबीज टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाएगा। नेचर एंड हेल्थ केयर वेलफेयर सोसायटी के सहयोग से शंकर नगर स्थित पेट हेल्थ क्लिनिक में कुत्तों और बिल्लियों के साथ-साथ उनके मालिकों एवं पशुओं के नियमित संपर्क में रहने वाले लोगों का भी टीकाकरण किया जाएगा। संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 22 वर्षों से प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस पर यह अभियान आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त केवल स्वतंत्रता का उत्सव नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्व निभाने का भी अवसर है। इसी भावना के साथ रेबीज जैसी जानलेवा बीमारी से मुक्ति का संकल्प लेकर यह अभियान चलाया जा रहा है। पिछले वर्ष एक ही दिन में करीब 1,500 डॉग्स का टीकाकरण किया गया था। इस वर्ष इससे अधिक पशुओं तक पहुंचने का लक्ष्य रखा गया है। अभियान से जुड़े पशु चिकित्सक डॉ. पद्म जैन ने बताया कि यह पहल केवल पशुओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि मानव जीवन की रक्षा से भी जुड़ा है। उन्होंने कहा कि रेबीज ऐसी बीमारी है, जिसे समय पर टीकाकरण के माध्यम से लगभग पूरी तरह रोका जा सकता है। पिछले वर्ष से अभियान के तहत उन लोगों के लिए भी प्री-एक्सपोजर एंटी-रेबीज प्रोफिलैक्सिस शुरू किया गया है, जो प्रतिदिन पशुओं के संपर्क में रहते हैं, जैसे एनिमल वॉलंटियर्स, एनिमल रेस्क्यूअर्स, एनिमल फीडर्स और एनिमल हैंडलर्स। उन्होंने लोगों से अपील की कि जिनके घरों में डॉग या कैट हैं अथवा आसपास ऐसे पशु हैं, वे उन्हें टीकाकरण के लिए लेकर आएं।

> 22 वर्षों से स्वतंत्रता दिवस पर चल रहा अभियान, कुत्ते-बिल्लियों के साथ पशु प्रेमियों को भी लगेगी वैक्सीन

समाज इवेंट

मोबाइल और कम्प्यूटर का भी अधिक उपयोग करने से बचें

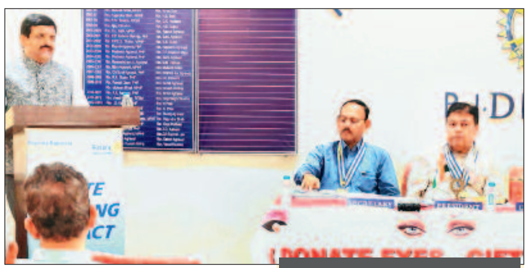

रायपुर। रोटरी क्लब द्वारा किए गए आयोजन में रविवार को वरिष्ठ नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्र ने व्याख्यान में कहा, हमारी आंखें प्रकृति का अनमोल उपहार हैं। इनसे हम अपने आसपास की दुनिया को देखते, सीखते और जीवन का आनंद लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, दृष्टि हानि के अधिकांश कारणों की समय पर जांच, उचित उपचार तथा जागरूकता से रोकथाम की जा सकती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को आंखों की देखभाल और नियमित नेत्र परीक्षण के महत्व को समझना चाहिए। डॉ. मिश्र ने दृष्टिहीनता पर चर्चा करते हुए कहा, कुछ बच्चों में जन्म से ही आंखों की विकृतिया पाई जाती हैं। यदि जन्म के बाद समय पर नेत्र परीक्षण कराया जाए तो इनमें से कई समस्याओं का सफल उपचार संभव है। विटामिन ए की कमी बच्चों में रतौंधी तथा कॉर्निया को गंभीर क्षति पहुंचा सकती है।

इलेक्ट्रॉनिक गैजेट का बेतहाशा उपयोग प्रमुख वजह

डॉ. मिश्र ने वर्तमान में इलेक्ट्रॉनिक गैजेट के बेतहाशा उपयोग को लेकर कहा कि मोबाइल, कंप्यूटर और डिजिटल स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग एक नई चुनौती है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने से आंखों में सूखापन (ड्राई आई), जलन, सिरदर्द, धुंधला दिखाई देना तथा कंप्यूटर विजन सिंड्रोम जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इससे बचने के लिए 20-20-20 नियम अपनाएं, हर 20 मिनट बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखें, बार-बार पलकें झपकाएं, उचित रोशनी में काम करें तथा स्क्रीन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। इन दिनों निकट दृष्टि, दूर दृष्टि और एस्टिग्मैटिज्म की शिकायत बच्चों और युवाओं में तेजी से बढ़ रही है।

संडे स्पेशल मनाने फैमिली-फ्रेंड्स की जुटने लगी भीड़, मंदिर में सावन के पहले दिन दर्शन की विशेष तैयारी

महादेवघाट पर सावन मेले की सजीं दुकानें, 30 को उमड़ेगा शिवभक्तों व सैलानियों का हुजूम

> कल-कल, छल-छल बहती खारुन नदी की जलराशि सैलानियों को आकर्षित कर रही है। वहीं, पवित्र सावन मास को लेकर महादेवघाट पर पूजा सामग्रियों, खिलौने, खाने-पीने, साज -श्रृंगार, बच्चों के मनोरंजन के झूले आदि की दुकानें सज गई हैं। इसके मद्देनजर महादेव घाट पर मेले जैसा माहौल बन गया है। घाट पर पिकनिक मनाने के लिए परिवार समेत लोग पहुंच रहे हैं।

रायपुर। रविवार को संडे स्पेशल मनाने फैमिली-फ्रेंड्स की अच्छी भीड़ रही। इसके साथ ही 30 जुलाई को सावन के पहले दिन नदी तट पर स्थित प्राचीन हटकेशवर महादेव मंदिर में दर्शन व जलाभिषेक के लिए बड़ी संख्या में शिवभक्तों व कावड़ियों का तांता लगेगा। ऐसे में महादेवघाट मेला समिति और प्राचीन हटकेशवर महादेव मंदिर प्रबंधन ने श्रद्धालुओं के दर्शन व पूजा अर्चना की सुविधा बनाने का काम पूरा कर लिया है। वहीं, समाज सेवा समितियों द्वारा भक्तों व श्रद्धालुओं के ठहरने, भोजन की सुविधा के लिए सेवा शिविर व पंडालें भी तैयार कर लिए हैं। स्थानीय प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा, चिकित्सा, यातायात के इंतजाम किया जा रहा है। गौरतलब है कि पूरे सावन मास व वर्षा ऋतु में महादेवघाट पर एक ओर जहां भोलेनाथ के दर्शन करने के लिए श्रद्धालु उमड़ते हैं, वहीं पिकनिक मनाने के लिए भी परिवार समेत लोग पहुंचते हैं।

दूर-दूर से पहुंचेगा कांवरियों का जत्था

महादेवघाट में सैकड़ों साल पुराने हटकेशवर नाथ महादेव मंदिर में सावन के महीने में खासकर सोमवार को हजारों कांवरिए शिवलिंग पर जल अर्पण करने पहुंचेंगे। हटकेशवर महादेव मंदिर के पुजारी ने बताया कि सावन मास में मंदिर प्रागंण में भक्तों का हुजूम उमड़ता है। ऐसे में पवित्र सावन मास को लेकर मंदिर में भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दर्शन की तैयारी की गई है।

नौका विहार और प्राकृतिक छटाओं का आनंद लेने जुट रही भीड़

लक्ष्मण झूला के नीचे पर्यटकों के लिए दर्जनों सजी-धजी नौकाओं की व्यवस्था है। इन नौकाओं पर बैठकर पर्यटक नदी की बीच धारा तक जाकर प्रकृति के अद्भुत नजारे का आनंद ले रहे हैं। हरिद्वार की तर्ज पर खारुन नदी के ऊपर बना लक्ष्मण झूला और नौकायन का आनंद भी यहां का विशेष आकर्षण बन रहा है। झूले के ऊपर से होकर नदी के उस पार हरियाली से भरपूर मनमोहक गार्डन तक पहुंचकर पर्यटक एडवेंचर का आनंद ले रहे हैं तथा पुल के बीच में खड़े होकर बहती नदी एवं प्राकृतिक सौंदर्य का नजारा देख रहे हैं।

गार्डन में बच्चों को झूले और युवाओं को सेल्फी जोन भा रहा

गार्डन में कई झूले और सेल्फी जोन हैं, जहां बच्चे झूले का मजा ले रहे हैं। वहीं, युवक-युवतियां प्रकृति के बीच रहकर फोटो खिंचाने में रुचि ले रहे हैं। महादेव घाट की ऊंची सीढ़ियों के किनारे बैठकर भी नदी का मनमोहक नजारा देखा जा रहा है। लगभग एक किलोमीटर तक लंबी सीढ़ियों पर रविवार एवं पर्व-त्योहारों के दिन सैलानियों की भीड़ देखने को मिलती है। खारुन के किनारे साल में तीन बार भव्य मेले का आयोजन सैलानियों व भक्तों के लिए विशेष महत्व रखता है।

पर्यावरण संरक्षण-आपदा प्रबंधन का किया शुभारंभ समाज के लोगों को भी अभियान से जोड़ने आव्हान

> शान्ति सरोवर रिट्रीट सेन्टर में आयोजित समारोह में शामिल हुए राज्यपाल रमेन डेका, किया उद्घाटन

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के राजयोगा एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन के वैज्ञानिक, अभियंता एवं आर्किटेक्ट प्रभाग द्वारा एक आयोजन किया गया। इसमें रायपुर से जबलपुर पर्यावरण संरक्षण-आपदा प्रबंधन राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ राज्यपाल रमेन डेका ने किया। विषय था- प्रकृति का ख्याल रखें और आपदा के लिए तैयार रहें। इसमें राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के इस अभियान में समाज के अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान से लोगों में पर्यावरण के प्रति जागृति आएगी और वे आने वाली आपदा के प्रति सचेत हो सकेंगे। छत्तीसगढ़ की भूमि से मध्यप्रदेश तक चलाया जाने वाला यह जन जागरूकता अभियान दोनों राज्यों के लोगों में पर्यावरण के प्रति नई चेतना का संचार करने में सफल होगा।

पच्चीस साल बाद जल की विपदा पैदा होने वाली है

आज का हमारा संदेश प्रकृति का ख्याल रखें और आपदा के लिए तैयार रहें केवल एक नारा नहीं है, बल्कि यह अस्तित्व को बचाने का महामंत्र है। वर्तमान समय में पेड़ लगाना और जल संरक्षण करना बहुत जरूरी है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की चर्चा करते हुए कहा कि यहां हमें जल की समस्या के बारे में आज सोचने की जरूरत है अन्यथा पच्चीस साल बाद जल की विपदा पैदा होने वाली है, उसे संभाल पाना मुश्किल होगा। अगर जल नहीं है तो कुछ नहीं है। उन्होंने बचपन का जिक्र करते हुए बताया कि पचास साल पहले कहीं जाते तो प्यास लगने पर कहीं का भी पानी पी सकते थे। उन दिनों कोई प्रदूषण के बारे में जानता भी नहीं था। राज्यपाल ने आह्वान किया, संकल्प करें कि पानी की एक-एक बूंद बचाएंगे। सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करेंगे। पौधरोपण को जन आंदोलन बनाते हुए कम से कम एक पौधा जरूर लगाएं।

दशक को पर्यावरण जागृति दशक घोषित किया

माउण्ट आबू से आए वैज्ञानिक, अभियनंता सेवा प्रभाग के अध्यक्ष इंजीनियर मोहन सिंघल ने अभियान की जानकारी देते हुए कहा कि हमारे देश में पर्यावरण के महत्व को समझते हुए सरकार ने 1990 के दशक को पर्यावरण जागृति दशक घोषित किया था। तब से ही ब्रह्माकुमारी संस्थान इस दिशा में सक्रिय है। क्षेत्रीय निदेशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी ने अतिथियों के बीच स्वागत भाषण दिया। रायपुर की संचालिका बीके सविता दीदी, वैज्ञानिक, अभियंता सेवा प्रभाग की उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमारी आशा दीदी ने आभार प्रदर्शन किया। इसका संचालन पानीपत से आए इंजीनियर ब्रह्माकुमार भारत भूषण ने किया। इसमें ब्रह्माकुमार पियूश भाई, कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल, एम्स के डायरेक्टर लेफ्टिनेन्ट जनरल अशोक जिन्दल शामिल हुए।

गुरुपूर्णिमा पर गुरु-शिष्य परंपरा-क्रियायोग का संदेश

रायपुर। गुरुपूर्णिमा एवं महावतार बाबाजी स्मृति दिवस के पावन अवसर पर योगदा सत्संग ध्यान मंडली द्वारा लास विस्टा, अमलीडीह स्थित क्लब हाउस में विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधकों, श्रद्धालुओं एवं जिज्ञासुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ कॉस्मिक चैंट्स के सामूहिक गायन से हुआ। इसके पश्चात श्री श्री परमहंस योगानन्दजी की शिक्षाओं से गुरु-शिष्य परंपरा पर प्रेरणादायी पाठ प्रस्तुत किया गया तथा सामूहिक ध्यान का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महावतार बाबाजी स्मृति दिवस के महत्व पर विशेष प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर योगी कथामृत में वर्णित 25 जुलाई 1920 के ऐतिहासिक प्रसंग का पाठ किया गया। जब परमहंस योगानन्दजी की अमेरिका यात्रा से पूर्व महावतार बाबाजी ने कोलकाता के गढ़पार रोड स्थित उनके घर पर दर्शन देकर उन्हें पश्चिम में क्रियायोग के प्रसार के उनके दिव्य उद्देश्य के लिए आश्वस्त किया था।

परिसर में आध्यात्मिक व भक्तिमय वातावरण बना

इसके बाद पुनः कॉस्मिक चैंट्स एवं सामूहिक ध्यान हुआ। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण सामूहिक रामधुन एवं भजन-कीर्तन रहा, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने उत्साह और भक्तिभाव के साथ सहभागिता की। पूरे परिसर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण बना रहा। इस अवसर पर योगदा सत्संग साहित्य की विशेष पुस्तक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें ध्यान, योग, आध्यात्मिक जीवन तथा परमहंस योगानन्दजी की शिक्षाओं से संबंधित साहित्य प्रदर्शित किया गया। क्रियायोग एवं योगदा सत्संग की शिक्षाओं के विषय में जानने के इच्छुक जिज्ञासुओं को आवश्यक जानकारी एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया। कार्यक्रम के अंत में आयोजन में सेवा देने वाले सभी स्वयंसेवकों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा उपस्थित श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया।

कार्नर न्यूज

200 बच्चों ने किया स्नात्र पूजा महोत्सव, प्रस्तुत की जन्माभिषेक की परंपरा

नन्हे इंद्र-इंद्राणियों की भक्ति से सजा दादाबाड़ी, संगीतमय प्रस्तुति से परमात्मा के जन्माभिषेक की परंपरा को किया जीवंत

रायपुर। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत एमजी रोड स्थित दादाबाड़ी में रविवार को भव्य स्नात्र पूजा महोत्सव आयोजित किया गया। परम पूज्य संवेगरत्न सागरजी म.सा. एवं परम पूज्य मंजुला श्रीजी म.सा. की पावन निश्रा में आयोजित महोत्सव में ज्ञानवल्लभ पाठशाला के करीब 200 छात्र-छात्राओं ने इंद्र एवं इंद्राणी का रूप धारण कर संगीतमय प्रस्तुति के साथ परमात्मा के जन्मोत्सव और अभिषेक की धार्मिक परंपरा को साकार किया। जैन परंपरा के अनुसार परमात्मा के जन्म के अवसर पर इंद्र द्वारा मेरू शिखर पर अभिषेक किया जाता है। इसी धार्मिक प्रसंग को बच्चों ने श्रद्धा और उत्साह के साथ स्नात्र पूजा महोत्सव के माध्यम से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में प्रकाशचंद गोलछा, अरुण गोलछा, गौतमचंद लोढ़ा, निर्मल गोलछा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन उपस्थित रहे।

नियमित धार्मिक कक्षाएं संचालित की जा रहीं

ज्ञानवल्लभ पाठशाला के माध्यम से श्री ऋषभदेव मंदिर ट्रस्ट द्वारा रायपुर के करीब 10 स्थानों पर बच्चों के लिए नियमित धार्मिक कक्षाएं संचालित की जा रही हैं। इन कक्षाओं के माध्यम से नई पीढ़ी को जैन धर्म, संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और जीवन मूल्यों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। स्नात्र पूजा महोत्सव भी इसी उद्देश्य की एक कड़ी रहा, जिसमें बच्चों ने स्वयं सहभागी बनकर धार्मिक परंपराओं और आध्यात्मिक भाव को आत्मसात किया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष विजय कांकरिया, कार्यकारी अध्यक्ष अभय भंसाली, चातुर्मास समिति अध्यक्ष बसंत लोढ़ा सहित कई समाजजन उपस्थित रहे।

आज निपुणा श्रीजी माता का 54वां दीक्षा दिवस

आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास-2026 के अंतर्गत 27 जुलाई को परम पूज्य निपुणा श्रीजी माता के 54वें दीक्षा दिवस पर दादाबाड़ी में सामूहिक धार्मिक आयोजन होगा। सुबह 8:45 बजे परम पूज्य मंजुला श्रीजी म.सा. की निश्रा में सामायिक सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इनमें आत्मचिंतन, स्वाध्याय, कर्मों की निर्जरा तथा मैत्री और करुणा के भाव को विकसित करने का संदेश दिया जाएगा।

हेल्थ टिप्स

बारिश में खानपान को लेकर बरतें सावधानी, डॉक्टरों की सलाह सबके लिए जरूरी

फूड पॉइजनिंग ऐसी स्थिति है जिसमें दूषित भोजन या पानी के जरिए बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी या उनके विषैले पदार्थ शरीर में पहुंच जाते हैं। इसके बाद कुछ घंटों से लेकर कुछ दिनों के भीतर उल्टी, दस्त, पेट दर्द, जी मिचलाना, बुखार और कमजोरी जैसे लक्षण शुरू हो सकते हैं। बारिश का मौसम आते ही कई तरह की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इस मौसम में मच्छरों के कारण होने वाली बीमारियों के अलावा खान-पान में गड़बड़ी की भी दिक्कत काफी बढ़ जाती है। इन दिनों खान-पान की लापरवाही फूड पॉइजनिंग जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन जाती है।

हर साल बारिश के मौसम में अस्पतालों में उल्टी-दस्त, पेट दर्द और डिहाइड्रेशन के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है। इसका सबसे बड़ा कारण भोजन और पानी में बैक्टीरिया, वायरस या परजीवियों का तेजी से पनपना है। मानसून में हवा में नमी अधिक होने के कारण खाद्य पदार्थ जल्दी खराब हो जाते हैं। यदि खाना लंबे समय तक कमरे के तापमान पर रखा रहे, ठीक से पकाया न गया हो या दूषित पी लें तो फूड पॉइजनिंग हो सकती है। आइए जानते हैं कि आप इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?

फूड पॉइजनिंग के बारे में जान लीजिए

दूषित भोजन या पानी के जरिए बैक्टीरिया,

वायरस, परजीवी शरीर में पहुंचकर फूड पॉइजनिंग की समस्या का कारण बनते हैं। इसमें उल्टी-दस्त, पेट दर्द जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। अधिकांश मामलों में आराम और पर्याप्त तरल पदार्थ से मरीज ठीक हो जाता है, लेकिन गंभीर संक्रमण होने पर जटिलताएं बढ़ सकती हैं।

बारिश के मौसम में नमी और तापमान कई सूक्ष्मजीवों को बढ़ाने वाले होते हैं। भोजन को लंबे समय तक बाहर रखने, दूषित पानी पीने और सड़क किनारे खुले में बिकने वाले खाद्य पदार्थों के कारण संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। मक्खियां भी गंदगी से बैक्टीरिया भोजन तक पहुंचा सकती हैं। यही वजह है कि मानसून में फूड पॉइजनिंग के मामले अन्य मौसमों की तुलना में अधिक देखे जाते हैं।

फूड पॉइजनिंग में क्या दिक्कतें होती हैं?

फूड पॉइजनिंग के कारण उल्टी-दस्त और

पेट में मरोड़ जैसी दिक्कतें होती हैं। इसके अलावा कुछ लोगों में जी मिचलाने, बुखार, कमजोरी, डिहाइड्रेशन और चक्कर आने की दिक्कत हो सकती है। यदि दस्त में खून आए, तेज बुखार हो, बार-बार उल्टी हो या शरीर में पानी की कमी के संकेत दिखाई दें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। पांच वर्ष से छोटे बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं में संक्रमण जल्दी गंभीर हो सकता है।

फूड पॉइजनिंग से बचाव कैसे करें?

फूड पॉइजनिंग से बचाव के लिए, हमेशा ताजा भोजन करें और खाने को अच्छी तरह पकाएं। साफ पानी पीना, हाथ धोकर खाना खाना और बाहर का खुला खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में खुले में रखी कटी हुई सब्जियां आसानी से बैक्टीरिया और वायरस से दूषित हो सकती हैं। यदि पानी साफ न हो या बर्तन ठीक से साफ न किए गए हों, तो संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए मानसून में सड़क किनारे मिलने वाली चीजों को लेकर सावधानी बरतें।

मौजूदा भागदौड़ की जिंदगी में मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी

तनाव और अवसाद से पाना चाहते हैं छुटकारा तो दिनचर्या में करें तीन आसान बदलाव, मिलेगा फायदा

तनाव और अवसाद एक ऐसी समस्या है जिससे बहुत से लोग परेशान रहते हैं। वैसे तो इसको मैनेज करने के कई उपाय हैं, लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे उपाय के बारे में बताएंगे जो बहुत सरल हैं और उसे आसानी से अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव लगभग हर व्यक्ति की दिनचर्या का हिस्सा बन गया है। काम का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएं, रिश्तों की उलझनें और भविष्य की अनिश्चितताएं लगातार हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर भारी पड़ रही हैं। तनाव और अवसाद का नकारात्मक प्रभाव न सिर्फ आपके दिमाग पर पड़ता है बल्कि इससे आपके शारीरिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है, जैसे नींद की कमी, पाचन संबंधी समस्याएं, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली और लगातार थकान।

विशेषज्ञों के मुताबिक ऐसे में आप अपनी दिनचर्या में कुछ छोटे और आसान बदलाव करके तनाव और अवसाद से छुटकारा पा सकते हैं। आइए इस लेख में ऐसे ही तीन ऐसे ही तीन महत्वपूर्ण बदलावों के बारे में जानते हैं, जिन्हें अपनाकर आप मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और बेहतर जीवन बिता सकते हैं।

नियमित व्यायाम और शारीरिक गतिविधि

स्ट्रेस कम करने का पहला आसान बदलाव है नियमित व्यायाम। रोजाना 20-30 मिनट की ब्रिस्क वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग तनाव को कम करती है। व्यायाम से एंडोर्फिन हार्मोन रिलीज होता है, जो मूड को बेहतर बनाता है। योग में प्राणायाम और मेडिटेशन, जैसे अनुलोम-विलोम, मन को शांत करते हैं। घर पर हल्की एरोबिक्स या डांस भी एंग्जायटी को कम करने में मदद करता है।

संतुलित आहार और हाइड्रेशन

दूसरा बदलाव है संतुलित आहार अपनाना। ओमेगा-3 युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे मछली, अखरोट और अलसी के बीज, मस्तिष्क स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। विटामिन बी और मैग्नीशियम से भरपूर खाद्य, जैसे हरी सब्जियां, केला और बादाम, तनाव को कम करते हैं। चीनी और कैफीन का अधिक सेवन एंग्जायटी को बढ़ा सकता है, इसलिए इनका सेवन सीमित करें। रोजाना 2-3 लीटर पानी पीना डिहाइड्रेशन से बचाता है, जो स्ट्रेस को नियंत्रित करता है।

माइंडफुलनेस

तीसरा बदलाव है माइंडफुलनेस और अच्छी नींद की लेना। माइंडफुलनेस मेडिटेशन, जैसे 5-10 मिनट की गहरी सांस लेने की तकनीक मानसिक तनाव को कम करती है। सोने से पहले स्क्रीन टाइम (मोबाइल, टीवी) कम करें, क्योंकि नीली रोशनी नींद को बाधित करती है। रोजाना 7-8 घंटे की गहरी नींद तनाव को कम करती है और मस्तिष्क को रिचार्ज करती है। सोने से पहले गुनगुना पानी पीना या किताब पढ़ना नींद में सुधार करता है।

जर्नलिंग: भावनाओं को कागज पर लिखें

अपनी भावनाओं और विचारों को किसी डायरी या नोटबुक में लिखना, यानी जर्नलिंग, तनाव और चिंता को कम करने का एक बेहतरीन तरीका है। जब आप अपने मन की बातों को लिखते हैं, तो वे व्यवस्थित होने लगती हैं और आपको अपनी भावनाओं को समझने में मदद मिलती है। यह नकारात्मक विचारों को दूर करने, समस्याएं सुलझाने में मदद करता है। रोजाना बस 10-15 मिनट लिखने से आप मानसिक रूप से बहुत शांत और हल्का महसूस करेंगे। इसके अलावा दोस्तों और परिवार से बात करना और शौक में समय बिताना भी मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। यदि स्ट्रेस या एंग्जायटी गंभीर हो, जैसे लगातार चिंता, अनिद्रा या पैनिक अटैक, तो मनोचिकित्सक या काउंसलर से संपर्क करें। नियमित स्वास्थ्य जांच और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर मानसिक शांति और खुशहाल जीवन व्यतीत जा सकता है।

अंतर-क्षेत्रीय शतरंज में रायपुर सेंट्रल और कोरबा वेस्ट चैंपियन

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज की अंतर-क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत आयोजित शतरंज प्रतियोगिता के पुरुष टीम वर्ग में रायपुर सेंट्रल चैंपियन तथा दुर्ग रीजन उपविजेता रहा। महिला टीम वर्ग में कोरबा वेस्ट ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि रायपुर सेंट्रल उपविजेता रहा। 22 से 24 जुलाई तक जगदलपुर में आयोजित अंतर-क्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता में भी विभिन्न क्षेत्रों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। महिला एकल वर्ग में रायपुर (सेंट्रल) की कंचन महेश ठाकुर विजेता तथा नमिता जैन उपविजेता रहीं। महिला युगल वर्ग में भी दोनों की जोड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि दुर्ग की शकुंतला कारक एवं अनीता रोही की जोड़ी उपविजेता रही। पुरुष एकल वर्ग में कोरबा (वेस्ट) के विनोद राठौर विजेता तथा जगदलपुर के कमलेश ठाकुर उपविजेता रहे। पुरुष टीम स्पर्धा में जगदलपुर ने खिताब अपने नाम किया, जबकि दुर्ग उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के पर्यवेक्षक अधीक्षण अभियंता पंकज चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता के प्रदर्शन के आधार पर महिला वर्ग में कंचन महेश ठाकुर, नमिता जैन, शकुंतला कारक, रीना पुरी गोस्वामी, अनीता रोही एवं कविता ठक्कर तथा पुरुष वर्ग में विनोद राठौर, कमलेश ठाकुर, एस.के. मोदी, पी. नागेश्वर राव, शुभम बंचोरे, कमलेश साहू, सुशांत कटकवार एवं सलीम खान का चयन किया गया है। चयनित खिलाड़ी 4 से 6 अगस्त तक आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित 48 वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की राष्ट्रीय कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पूड़ी बनाने के बाद बचे हुए तेल दोबारा कीजिए इस्तेमाल

पूड़ी बनाने के बाद तेल को पहले ठंडा होने दें। फिर उसे महीन छलनी या मलमल के कपड़े से छान लें ताकि आटे और जले हुए कण निकल जाएं। यदि तेल का रंग बहुत गहरा न हो और उसमें जली हुई गंध न आए, तो उसे एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करके सीमित मात्रा में दोबारा इस्तेमाल किया जा सकता है। भारतीय रसोई में पूड़ी, कचौड़ी, पकौड़े और अन्य तली हुई चीजें अक्सर बनाई जाती हैं। ऐसे में फ्राई करने के बाद कढ़ाई में काफी मात्रा में तेल बच जाता है। कई लोग इस तेल को दोबारा इस्तेमाल करने से बचते हैं और फेंक देते हैं, जबकि कुछ लोग बिना साफ किए बार-बार उसी तेल का उपयोग कर लेते हैं। दोनों ही तरीके सही नहीं माने जाते। दरअसल, पूड़ी या अन्य चीजें तलने के बाद तेल में आटे के छोटे-छोटे कण, मसाले और जले हुए टुकड़े रह जाते हैं। यदि इन्हें हटाए बिना तेल का दोबारा उपयोग किया जाए, तो खाने का स्वाद खराब हो सकता है और तेल जल्दी खराब भी हो सकता है। वहीं, पूरी तरह नया तेल इस्तेमाल करना हर बार जेब पर भारी पड़ सकता है। किचन एक्सपर्ट्स का मानना है कि यदि तेल एक बार ही इस्तेमाल हुआ है और वह अत्यधिक जला हुआ नहीं है, तो उसे सही तरीके से छानकर सीमित मात्रा में दोबारा उपयोग किया जा सकता है। इसके लिए कुछ आसान घरेलू टिप्स अपनानी होती हैं। आइए जानते हैं कि पूड़ी बनाने के बाद बचे तेल को कैसे साफ करें और दोबारा इस्तेमाल के लिए सुरक्षित तरीके से स्टोर करें।

तेल को पूरी तरह ठंडा होने दें। पूड़ी तलने के तुरंत बाद तेल को छानने की गलती न करें। पहले तेल को सामान्य तापमान तक ठंडा होने दें।

पैर सुन्न होना या झुनझुनी आना, हो सकते हैं इन बीमारियों के शुरुआती लक्षण

अक्सर कुछ लोगों के पैर में झुनझुनी पड़ने और सुन्न होने की समस्या होती है। इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं, कुछ मामलों में ये गंभीर बीमारियों का संकेत भी हो सकता है। आइए इस लेख में इसी के बारे में जानते हैं। क्या कभी आपके हाथ, पैर या शरीर का कोई हिस्सा अचानक सुन्न हुआ है, या फिर उसमें झुनझुनी महसूस हुई है? हममें से ज्यादातर लोगों ने कभी न कभी इस अनुभव का सामना किया होगा। अक्सर यह थोड़े समय के लिए होता है, जब किसी नस पर दबाव पड़ता है और शरीर का पोजिशन बदलने पर सब ठीक हो जाता है। सामान्य तौर पर ऐसा तभी होता है, जब आप गलत पोस्चर में बैठे हों। लेकिन अगर बिना किसी कारण के अचानक पैरों में या शरीर का कोई भी अंग सुन्न हो रहा है या झुनझुनी महसूस हो रही है, तो इसे हल्के में लेना बड़ी गलती हो सकती है। यह किसी गंभीर और खतरनाक बीमारी का शुरुआती संकेत हो सकता है, जिस पर तुरंत ध्यान देना जरूरी है। यह लेख आपको इन लक्षणों को समझने और संभावित अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जानने में मदद करेगा।

सुन्न होने और झुनझुनी के प्रमुख कारण

पैरों का सुन्न होना या पैरों में झुनझुनी पड़ने के कई कारण हो सकते हैं। लंबे समय तक एक ही पोजिशन में बैठना या किन्हीं कारणों से तंत्रिका पर दबाव पड़ना इसके सामान्य कारण हैं। हालांकि बार-बार होने वाली यह समस्या पेरीफेरल न्यूरोपैथी, डायबिटीज, विटामिन बी 12 की कमी, थायराइड या मल्टीपल स्केलेरोसिस जैसी बीमारियों से जुड़ी हो सकती है। डायबिटीज में हाई ब्लड शुगर तंत्रिकाओं को नुकसान पहुंचाती है, जिससे न्यूरोपैथी होती है।

लक्षण

पैरों का सुन्न होना या पैरों में झुनझुनी पड़ने के साथ अन्य लक्षण, जैसे जलन, कमजोरी, शरीर के संतुलन में कमी, गंभीर बीमारी का संकेत हो सकते हैं। डायबिटिक न्यूरोपैथी में यह लक्षण रात में बढ़ सकते हैं। अगर यह समस्या लगातार बनी रहे या चलने-फिरने में परेशानी हो, तो यह तंत्रिका क्षति या रक्त संचार की समस्या का संकेत हो सकता है।

निदान और जांच की प्रक्रिया

पैरों का बार-बार सुन्न होने की जांच के लिए डॉक्टर मेडिकल हिस्ट्री, शारीरिक परीक्षण और कुछ टेस्ट का सुझाव देते हैं। रक्त जांच से डायबिटीज, विटामिन बी 12 की कमी या थायराइड की समस्या का पता लगाया जा सकता है। नर्व कंडक्शन स्टडी और इलेक्ट्रोमायोग्राफी तंत्रिका क्षति की गंभीरता को मापते हैं। एमआरआई या सीटी स्कैन से रीढ़ की हड्डी या तंत्रिका पर दबाव का कारण पता चल सकता है।

बचाव और उपचार के उपाय

शरीर का कोई भी अंग सुन्न न हो या उसमें झुनझुनी न पड़े इसके लिए स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं, जिसमें संतुलित आहार लें और दिनभर में कम से कम 2-3 लीटर पानी पिएं। विटामिन बी12 युक्त खाद्य पदार्थ, जैसे अंडे, दूध और मछली, खाएं।

फ्रेंड्सशिप डे को यादगार बनाने आजमाएं खास ट्रेंड्स, करीब आएंगे आपके दोस्त

फ्रेंडशिप डे सिर्फ एक दिन नहीं बल्कि एक एहसास है दोस्ती, भरोसे और साथ का। इस वर्ष फ्रेंडशिप डे भारत में 2 अगस्त (रविवार) को और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के अनुसार 30 जुलाई (गुरुवार) को मनाया जाएगा।

आज के डिजिटल युग में फ्रेंडशिप डे मनाने के तरीके भी बदल रहे हैं। बैंड बांधना और कार्ड देना अब भी चलन में है, लेकिन रील्स, डिजिटल गिफ्ट्स और सोशल मीडिया ट्रेंड्स ने इस दिन को और भी यादगार बना दिया है। अगर आप भी ट्रेंड को अपनाते हुए फ्रेंडशिप डे को यादगार तरीके से मनाना चाहते हैं तो यहां आपको साल 2026 में फ्रेंडशिप डे को खास बनाने वाले टॉप ट्रेंड्स बताए जा रहे हैं। ये फ्रेंडशिप डे ट्रेंड्स आपको अपने दोस्तों के और भी करीब ला सकते हैं।

इंस्टाग्राम रील्स और थ्रोबैक वीडियो की धूम

2026 में फ्रेंडशिप डे पर सबसे ज्यादा जो ट्रेंड कर रहा है, वो है थ्रोबैक रील्स। पुरानी फोटोज और वीडियोज को जोड़कर

बनाई गई एक छोटी-सी इंस्टाग्राम रील दोस्ती को बयां करने का नया तरीका बन गई है। इंस्टाग्राम पर फ्रेंडशिप डे स्पेशल रील बनाने के लिए आप कुछ फ्री टूल्स से क्रिएटिव वीडियो बना सकते हैं। बैकग्राउंड म्यूजिक में 'तेरा यार हूं मैं' जैसे दोस्ती स्पेशल गानों का इस्तेमाल करें।

डिजिटल गिफ्ट

अब भौतिक गिफ्ट से ज्यादा पॉपुलर हो गए हैं डिजिटल गिफ्ट्स। ये इमोशनल और इको-फ्रेंडली होते हैं। डिजिटल गिफ्ट में पर्सनलाइज्ड वीडियो मैसेज, डिजिटल स्केच, पर्सनलाइज्ड प्लेलिस्ट या ई-गिफ्ट कार्ड को शामिल कर सकते हैं। यह ट्रेंड बजट फ्रेंडली भी है और दिल छू लेने वाला भी है। आपको कई ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स पर कस्टम डिजिटल गिफ्ट्स के विकल्प मिल सकते हैं। आप चाहें तो AI के जरिए एक खास शायरी या लेटर लिखकर दोस्त को तोहफे में दे सकते हैं।

फोटो बूथ और डीआईवाई फ्रेंडशिप डे पार्टी

छोटी सी थीम पार्टी या पिकनिक प्लान करना भी 2026 में खास ट्रेंड बन गया है। घर में या पार्क में डीआईवाई डेकोर, फोटो बूथ और कस्टम गेम्स के साथ सेलिब्रेशन किया जा रहा है। इसके लिए आप पॉपकॉर्न बार, फ्रेंडशिप ट्रिविया क्विज और थीम कलर ड्रेस कोड रखें। फोटो बूथ में दोस्ती वाले प्रॉप्स जैसे बेस्टी गोल्स शामिल करें।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

स्क्रूज की भूमिका में लौटेंगे जॉनी डेप, कॉमिक कॉन में रिलीज हुआ 'एबेनेजर' का ट्रेलर

हॉलीवुड एक्टर जॉनी डेप एक लंबे समय के ब्रेक के बाद वापसी कर रहे हैं। उनकी फिल्म 'एबेनेजर' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म में वह फिर एक बार रहस्मयी अंदाज में नजर आएंगे। हॉलीवुड एक्टर जॉनी डेप एक बार फिर सिनेमा हॉल में अपनी धमाकेदार एंट्री के लिए तैयार हैं। उनकी आगामी फिल्म 'एबेनेजर' का ट्रेलर मेकर्स द्वारा जारी कर दिया गया है। हाल ही में सैन डिएगो कॉमिक-कॉन में जॉनी ने खुद अपने फैंस के साथ फिल्म का ट्रेलर शेयर किया। जॉनी स्टेज पर पूरी तरह अपने किरदार एबेनेजर स्क्रूज के कॉस्ट्यूम में आ गए, जिसे देखकर कुछ वक्त के लिए फैंस चौंक गए। इसके बाद डेप ने 'डायरेक्टर्स ऑन डायरेक्टिंग' पैनल में भाग लिया, जिससे यह कार्यक्रम के सबसे चर्चित पलों में से एक बन गया। एक्टर जॉनी डेप एक लंबे ब्रेक के बाद फिर पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। फिल्म 'एबेनेजर' में वह एबेनेजर स्क्रूज नाम के मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म में उनका किरदार काफी डार्क और अकेला रहेगा। फिल्म चार्ल्स डिकेंस की क्लासिक बुक 'अ क्रिसमस कैरल' पर आधारित है। मगर फिल्म में इसका ज्यादा डार्क वर्जन प्रस्तुत किया जाएगा। फिल्म 'एबेनेजर' के ट्रेलर के अनुसार डेप के किरदार एबेनेजर स्क्रूज का सामना भूतों से होता है। इस दौरान वह आत्माओं उसे फिर से उसके अतीत के पलों को फिर से जीने के लिए मजबूर करती हैं। मगर वह इन सब से परेशान नहीं होता। इसके साथ ही सबसे कहता है, 'वापस आकर अच्छा लग रहा है।' उनका यह रील लाइफ का डायलॉग उनकी रियल लाइफ पर भी सटीक बैठता है, क्योंकि पूर्व पत्नी एम्बर हर्ड से 2022 में मानहानि का केस जीतने के बाद से अब तक उनका कोई प्रोजेक्ट नहीं आया।

टॉलीवुड

नाग अश्विन ने 'कल्कि 2898 एडी' की आलोचनाओं पर दिया जवाब

फिल्ममेकर नाग अश्विन अपनी आगामी फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर चर्चाओं में हैं। 2024 में आई इस फिल्म के सीक्वल की शूटिंग चल रही है। इस बीच फिल्म में कर्ण के दिखाए गए रूप को लेकर उनकी आलोचनाएं हो रही हैं।

अब नाग अश्विन ने इन आलोचनाओं पर जवाब दिया है। उन्होंने फिल्म के महाभारत से प्रेरित क्लाइमेक्स का बचाव करते हुए महाकाव्य का ही उदाहरण दिया। एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने दर्शकों से अपील की कि वे सीक्वल आने तक कोई राय न बनाएं और साथ ही इशारा किया कि 'कल्कि 2898 एडी पार्ट 2' में और जानकारी मिलेगी।

सोशल मीडिया पर एक यूजर को जवाब देते हुए अश्विन ने कहा कि दर्शकों को दूसरा भाग देखे बिना कहानी के बारे में कोई नतीजा नहीं निकालना चाहिए। अपने क्रिएटिव फैसलों का बचाव करते हुए उन्होंने सीक्वल के बारे में एक नई जानकारी भी दी और फैंस से पार्ट 2 का इंतजार करने को कहा।

यह बहस तब तेज हुई जब अखिल अक्किनेनी की फिल्म 'लेनिन' रिलीज हुई। एक सोशल मीडिया यूजर ने एक्टर प्रमोद पंजू द्वारा निभाए गए कर्ण के किरदार की तारीफ करते हुए कहा कि यह दिखाता है कि स्क्रीन पर इस किरदार को कैसे दिखाया जाना चाहिए। उस पोस्ट में 'कल्कि 2898 एडी ' की आलोचना भी की गई और अश्विन पर कर्ण का महिमामंडन करने का आरोप लगाया गया, साथ ही फिल्म के क्लाइमैक्स को ईशनिंदा बताया गया। आलोचना का जवाब देते हुए नाग अश्विन ने बिबेक देबरॉय के महाभारत अनुवाद का एक पृष्ठ साझा किया। इसमें उन्होंने द्रोण वध पर्व के उस अंश को उजागर किया है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन से बात करते हुए कर्ण की प्रशंसा करते हैं।

भोजपुरी

खेसारी की 'रंग दे बसंती' ने ओटीटी पर रिलीज होते ही उड़ाया गर्दा

खेसारी लाल यादव की सुपरहिट देशभक्ति फिल्म 'रंग दे बसंती' ओटीटी पर रिलीज हो चुकी है, जो 2024 में आई थी। अगर आपने यह फिल्म नहीं देखी है, तो घर बैठे आराम से देख सकते हैं। यह पहली भोजपुरी फिल्म रही, जिसे पैन इंडिया रिलीज किया गया था।

खेसारी लाल यादव की सबसे चर्चित फिल्म 'रंग दे बसंती' ने थिएटर्स में खूब गर्दा उड़ाया था, और अब यह ओटीटी पर रिलीज हो गई है। इस फिल्म को थिएटर्स में दर्शकों का भरपूर प्यार मिला था, और अब ओटीटी पर भी छाई है। इसे जियो हॉट स्टार पर रिलीज किया गया है। 'रंग दे बसंती' में देशभक्ति, भावनाएं, एक्शन और मनोरंजन का जबरदस्त मिश्रण देखने को मिला था। जो भी दर्शक खेसारी की इस फिल्म को थिएटर्स में नहीं देख पाए थे, वो अब इसे घर बैठे आराम से देख सकते हैं। 'रंग दे बसंती' की ओटीटी रिलीज के साथ एक बार फिर भोजपुरी सिनेमा के स्तर और उसकी बढ़ती लोकप्रियता की चर्चा तेज हो गई है। देशभक्ति, भावनात्मक कहानी और भव्य प्रस्तुति से सजी 'रंग दे बसंती' अब जियो हॉटस्टार पर पूरे परिवार के साथ देखी जा सकती है। फिल्म में खेसारी लाल यादव ने अपनी दमदार एक्टिंग से यह साबित किया है कि भोजपुरी सिनेमा भी बड़े स्तर की विषय प्रधान और देशभक्ति से ओत-प्रोत फिल्मों का निर्माण करने में सक्षम है। भव्य लोकेशंस, शानदार सिनेमैटोग्राफी, प्रभावशाली बैकग्राउंड स्कोर और भावनात्मक कहानी फिल्म को अलग पहचान देते हैं।

प्रदूषण की चिंता

चीन के लियूझोउ इंडस्ट्रियल म्यूज़ियम में डिज़ाइनर-आर्टिस्ट लियांग मिंग्यू की सोलो एग्ज़िबिशन में, 10 मीटर लंबा एक इंस्टॉलेशन पूरे हॉल में छाया हुआ है। इसका गहरा लाल रंग पूरी जगह को खून जैसे लाल रंग में रंग देता है। मिंग्यू प्रदूषण को लेकर अपनी चिंता ज़ाहिर करने के लिए बेकार हो चुकी जींस, रोज़मर्रा के कचरे और रिसाइकिल किए गए मटेरियल को फ़ैशन या इंस्टॉलेशन आर्ट में बदलने का काम करती हैं।

लाइफ स्टाइल

ट्रेडिशनल से मॉडर्न तक, कंगन के ये लेटेस्ट

डिजाइंस हर आउटफिट को बनाएंगे खास

कंगन जहां आपके लुक को कंप्लीट करने का काम करते हैं, वहीं इन्हें स्टाइल करने के बाद आपका लुक भी स्टाइलिश नजर आता है। फैशन के बदलते ट्रेंड में कंगन के डिजाइंस में बड़ा बदलाव आया है जो ट्रेडिशनल से मॉडर्न लुक पाने के लिए बेस्ट। वहीं, अगर आप अपने आउटफिट को स्टाइलिश टच देना चाहती हैं, तो आप इस आर्टिकल में दिखाए गए कंगन स्टाइल कर सकती हैं।

स्टोन वर्क कंगन

अगर आप डार्क कलर की साड़ी स्टाइल कर रही हैं, तो आप इस तरह के स्टोन वर्क कंगन पहन सकती हैं। ये कंगन डार्क कलर के आउटफिट के साथ परफेक्ट मैच करेंगे। ये कंगन आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल जाएंगे और आप इन्हें लगभग 400 से 600 रुपये की कीमत में खरीदकर स्टाइल कर सकती हैं।

मल्टी कलर स्टोन वर्क कंगन

अपने आउटफिट के हिसाब से आप इस तरह के मल्टी कलर स्टोन वर्क कंगन का भी चुनाव कर सकती हैं। ये मल्टीकलर स्टोन वर्क कंगन न्यू लुक पाने के लिए बेस्ट हैं और इन कंगन को आप सूट के साथ स्टाइलिश लुक पाने के लिए पहन सकती हैं।

गोल्ड प्लेटेड कंगन

ट्रेडिशनल लुक को न्यू टच देने के लिए आप इस तरह का गोल्ड प्लेटेड

कंगन स्टाइल कर सकती हैं। ये गोल्ड प्लेटेड कंगन आप साड़ी या सूट के साथ स्टाइल कर सकती हैं। ये कंगन आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल जाएंगे और आप इन्हें ऑनलाइन या ऑफलाइन दोनों जगहों से लगभग 300 से 400 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं।

कुंदन वर्क कंगन

वेस्टर्न ड्रेस में न्यू लुक पाने के लिए आप इस तरह के कुंदन वर्क कंगन स्टाइल कर सकती हैं। इस कंगन में बेहद ही खूबसूरत कुंदन वर्क किया हुआ है। अपने वेस्टर्न आउटफिट में न्यू और स्टाइलिश लुक पाने के लिए आप इन कंगन का चुनाव कर सकती हैं। इन कंगन को स्टाइल करने के बाद आपका लुक बेहद ही खूबसूरत नजर आएगा। इस तरह का कंगन आपको बाजार या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से लगभग 400 रुपये की कीमत में मिल जाएगा।

सिंपल और सोबर लुक के लिए बेस्ट हैं स्लीव्स कुर्तियां

अगर आप सिंपल और सोबर लुक चाहती हैं, तो आप 3/4 स्लीव्स वाली कुर्ती पहन सकती हैं। इस कुर्ती में जहां आपका लुक सुंदर नजर आएगा, वहीं आप कंफर्टेबल भी महसूस करेंगी।

हर महिला खूबसूरत दिखना चाहती है। इसी वजह से वो अक्सर बेहतरीन डिजाइन वाले आउटफिट का चुनाव करती हैं। लेकिन, अगर आप सिंपल और सोबर लुक चाहती हैं, तो आप कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। कुर्ती में जहां आपका लुक सुंदर नजर आता है, वहीं आप कंफर्टेबल भी रहती हैं। यह आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल सकती है, पर अगर आप अपने लुक को न्यू टच देना चाहती हैं, तो आप 3/4 स्लीव्स वाली कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं। यह कुर्ती सिंपल और सोबर लुक पाने के लिए बेहतरीन है और इस तरह की कुर्ती आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन्स के साथ मिल सकती है।

फ्लोरल प्रिंट कुर्ती

अगर आपको फ्लोरल प्रिंट वाले आउटफिट्स पसंद हैं, तो आप इस तरह की फ्लोरल प्रिंट वाली थ्रेड वर्क कुर्ती का चुनाव कर सकती हैं। इस तरह की कुर्ती में आपका लुक अच्छा लगेगा और इसमें आपको कई सारे डिजाइन ऑप्शन मिल जाएंगे। यह कुर्ती आप जींस या चूड़ीदार पायजामा के साथ पहन सकती हैं। मार्केट में आपको ये कुर्ती लगभग 500 से 600 रुपये में मिल सकती हैं। इस कुर्ती के साथ आप झुमके पहन सकती हैं। जो आपके लुक को स्टाइलिश लुक देना का काम करेगी।

प्रिंटेड कुर्ती

अगर आप किसी फैमिली फंक्शन में शामिल हो रही हैं, तो आप इस तरह की प्रिंटेड कुर्ती पहन सकती हैं। इस कुर्ती में प्रिंट करके सुंदर डिजाइन बनाया गया है और इस कुर्ती में आपका लुक बेहद ही अलग और सुंदर नजर आएगा। इस कुर्ती को आप पैंट स्टाइल सलवार के साथ भी पहन सकती हैं। साथ ही, व्हाइट जींस भी इस कुर्ती के साथ स्टाइल करने के लिए बेहतरीन ऑप्शन हो सकती है। यह कुर्ती आप ऑनलाइन ले सकती हैं, साथ ही ऑफलाइन भी आप इस कुर्ती को लगभग 600 रुपये की कीमत में खरीद सकती हैं। इस कुर्ती के साथ आप हैवी ज्वेलरी के बजाय सिंपल झुमके स्टाइल कर सकती हैं।

थ्रेड वर्क कुर्ती

सिंपल लुक के लिए आप ऑफिस या किसी फैमिली फंक्शन में शामिल होने के दौरान इस तरह की थ्रेड वर्क कुर्ती स्टाइल कर सकती हैं।

चंदन पाउडर से बनाइए अपने चेहरे को खूबसूरत, मिलेंगे कई फायदे

अगर आप भी अपने चेहरे पर होने वाले पिंपल्स और दाग धब्बे की वजह से परेशान रहती है, तो अब आप चंदन पाउडर का इस्तेमाल कर अपने चेहरे पर ग्लो ला सकती हैं। चेहरे की खूबसूरती को बढ़ाने के लिए और स्किन प्रॉब्लम से बचने के लिए अगर आप भी कई घरेलू उपाय आजमाती है, तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। आज हम आपको ब्यूटी एक्सपर्ट की मदद से एक ऐसे घरेलू उपाय के बारे में बताएंगे, जिसे आजमाकर आप अपने चेहरे की खूबसूरती को बढ़ा सकती हैं।

चेहरे के लिए चंदन पाउडर

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक अगर आप भी अपने चेहरे पर होने वाले पिंपल्स और दाग धब्बे की वजह से परेशान रहती है, तो अब आप चंदन पाउडर का इस्तेमाल कर अपने चेहरे पर ग्लो ला सकती हैं और स्किन प्रॉब्लम को कम कर सकती है। चंदन पाउडर से पेस्ट तैयार करने के लिए आपको कुछ चीजों की जरूरत लगेगी।

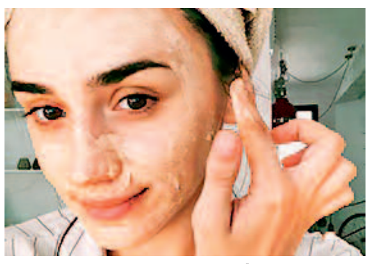

चंदन पाउडर से पेस्ट तैयार

अब आप घर पर चंदन पाउडर का इस्तेमाल कर चेहरे के लिए खास पेस्ट तैयार कर सकती हैं। इस पेस्ट को बनाने के लिए सबसे पहले आप एक कंटेनर में चंदन पाउडर निकाल ले। अब इसमें गुलाब जल और विटामिन ई कैप्सूल शामिल कर दें। इस पेस्ट को अच्छी तरह मिक्स कर ले और थोड़ी देर के लिए रख दें। अब आपका चंदन पाउडर पेस्ट बनाकर तैयार है। आप इसे चेहरे पर लगाने से पहले अपने चेहरे को साफ पानी से धो ले, उसके बाद ही इसका इस्तेमाल करें। आपको इस पेस्ट को चेहरे पर कम से कम 30 मिनट तक लगाकर रखना है।

ओपन पोर्स के लिए कम खर्च में मिल सकती है राहत

अगर आप भी चेहरे पर हो रहे ओपन कोर्स की वजह से परेशान रहती है तो आज हम आपको ऐसी दो चीजों के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल कर आप इन ओपन पोर्स को कम कर सकती हैं।

चेहरे पर होने वाली छोटी-छोटी समस्या की वजह से अधिकतर महिलाएं परेशान होने लगते हैं और वह बाजार के महंगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल भी करती हैं। ऐसे में अगर आप भी चेहरे पर हो रहे ओपन कोर्स की वजह से परेशान रहती है और उन्हें कम करने के लिए घरेलू नुस्खे ढूंढ रही है, तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। आज हम आपको ऐसी दो चीजों के बारे में बताएंगे, जिसका इस्तेमाल कर आप इन ओपन पोर्स को कम कर सकती हैं।

ओपन पोर्स को कम करने का घरेलू उपाय

ब्यूटी एक्सपर्ट वर्षा के मुताबिक अगर चेहरे पर छोटी सी फुंसी भी हो जाएं, तो महिलाएं परेशान होने लगती हैं. ऐसे में अगर आप भी चेहरे पर हो रहे ओपन पोर्स की वजह से परेशान हैं, तो अब आप घर पर रहकर अब आप घर पर रहकर कच्चा दूध और विटामिन ई कैप्सूल दोनों का इस्तेमाल कर इन्हें कम कर सकती हैं। आईए जानते हैं इसके इस्तेमाल के बारे में।

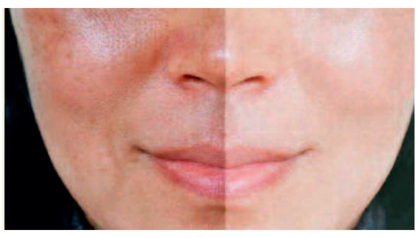

कच्चा दूध और विटामिन ई कैप्सूल का इस्तेमाल

ओपन पोर्स चेहरे की खूबसूरती को कम कर सकते हैं। ऐसे में इन्हें कम करने के लिए इस कच्चा दूध वाला उपाय आजमा सकती हैं।

कच्चा दूध और विटामिन ई कैप्सूल दोनों ही चेहरे की खूबसूरती के लिए बहुत जरूरी माने गए हैं। कच्चे दूध और विटामिन ई कैप्सूल को इस्तेमाल करने के लिए आप एक कटोरी में थोड़ा कच्चा दूध निकाल लें। अब इसमें विटामिन ई कैप्सूल को काटकर इसका तेल मिक्स कर दें। इस मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद कॉटन पैड की मदद से पूरे चेहरे पर इसे लगा ले। आपको इस मिश्रण को 25 मिनट तक चेहरे पर लगाकर रखना है।

कार्नर न्यूज

एक्सपेंसिव लुक महंगे और ब्रांडेड कपड़ों को पहनने से ही नहीं आता

आपको चाहिए रॉयल लुक तो इन तरीकों से सिंपल कपड़े भी देंगे शाही अंदाज, एक बार जरूर

महंगे और ब्रांडेड कपड़ों को पहनने से ही एक्सपेंसिव लुक नहीं पाया जा सकता है। अगर आपके पास सिंपल और सस्ती ड्रेस हैं तो भी उनको लग्जरी बना सकते हैं। खासकर, रॉयल लुक पाने की इच्छा रखने वाले लड़कों के लिए ये टिप्स काम आ सकते हैं। किसी अमीर आदमी को देखने के बाद कई बार हम सोचते भी हैं कि क्या उनकी तरह हम ड्रेस नहीं पहन सकते? मैं आपको बता दूं उन्होंने भले ही उसके बहुत पैसे खर्च किए होंगे लेकिन आप कम खर्च करके की भी वैसा लुक पा सकते हैं। क्योंकि स्टाइल सीक्रेट्स या फैशन रूल्स फॉलो करने से कोई भी ऐसा दिख सकता है।

अट्रैक्टिव दिखना है जरूरी

सिंपल कपड़ों को पहनने में कोई बुराई नहीं। हमें कभी भी ड्रेस को लेकर किसी के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए। हां, लेकिन अट्रैक्टिव दिखने के मामले में किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए। किसी भी ड्रेस और स्टाइल को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। जिससे एक अलग ही रुतबा देखने को मिलता है।

कलर मैचिंग का जादू

रंगों का जादू हर किसी पर चलता है। सोचिए, अगर रंग न होते ये जीवन बस कोरा रहता। रंग किसी भी चीज को सुंदर बना देते हैं। इसलिए लुक को दमदार बनाना है तो कलर मैजिक वाली बात समझ लें। तब जाकर आपका रंग जमेगा और रंग चढ़ेगा।

पहली बात- अगर आपको एकदम रॉयल लुक चाहिए तो नीचे से लेकर ऊपर तक दो या तीन कलर कॉम्बिनेशन वाली ड्रेस व एसेसरीज पहनें। इससे अधिक कलर पहनने पर फंकी दिखेंगे। यह एक अलग स्टाइल हो गया।

शर्ट, कोट, ब्लैजर के बटन

शर्ट, कोट, ब्लैजर खरीदते वक्त फैब्रिक, कॉलर, कफ स्टाइल, फिटिंग के साथ बटन पर ध्यान दें। क्योंकि बटन लुक पर असर डालते हैं। अगर शर्ट के बटन पुराने हैं तो इम्प्रेसिव नहीं होंगे। कई बार नई शर्ट के साथ भी यह फॉर्मूला ट्राय करें। अगर बटन पुराने हो गए हैं तो उनको भी बदल दें।

टाई पहनें

एक्सपेंसिव लुक के लिए लोगों को टाई पहननी चाहिए। क्योंकि इससे अलग ही इम्प्रेसन पड़ता है। इसलिए ओकेजन के हिसाब से जहां जरूरी हो टाई पहनें। लेकिन उसको सही तरीके से बांधे और हां शर्ट के हिसाब से चूज करें। क्योंकि मैचिंग बहुत मायने रखती है। टाई पहननी है इसलिए कुछ भी टांग लेने से बात नहीं

कोट / ब्लेजर/ जैकेट पहनें

एक्सपेंसिव या रॉयल लुक चाहिए तो कोट / ब्लेजर/ जैकेट खरीद लें। आपको पता ही है कि कोट और ब्लेजर पहनने वालों पर अधिकतर लोगों की नजर पड़ती है।